



तृतीय वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21



अधिकारी भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
रायबरेली, उत्तर प्रदेश

तृतीय वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21



**अधिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
रायबरेली, उत्तर प्रदेश**

डलमऊ रोड, मुंशीगंज, रायबरेली, यू.पी. भारत – 229405

समिति द्वारा संयुक्त रूप से संपादित :

डॉ. रजत शुभ्र दाश, अपर आचार्य, शरीर रचना विभाग
डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी, सह—आचार्य, शरीर रचना विभाग
डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय, सह—आचार्य, हड्डी रोग विभाग
डॉ. स्वराष्ट्र प्रकाश सिंह, सह—आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग
श्री विशाल कुमार, लेखाधिकारी, लेखा विभाग
श्री रवि बिश्नोई, वरिष्ठ उपचर्या अधिकारी, नर्सिंग विभाग
श्री बिबेक केशरी, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के नेतृत्व में वार्षिक प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद और पर्यवेक्षण किया गया।

योगदान में शामिल :

डॉ. रजत शुभ्र दाश, अपर आचार्य, शरीर रचना विभाग
डॉ. भूपेंद्र सिंह, सह आचार्य, निश्चेतना विभाग
डॉ. संजय यादव, अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग
डॉ. सौरभ पॉल, सहायक आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग
डॉ. संकल्प, सहायक आचार्य, कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी विभाग
डॉ. आर.एस बेदी, आचार्य एवं प्रमुख, दंत चिकित्सा विभाग
डॉ. के. गीता, सह आचार्य, त्वचा विज्ञान विभाग
डॉ. प्रमोद कुमार, सहायक आचार्य, सामान्य चिकित्सा विभाग
डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव, सह आचार्य, सामान्य सर्जरी विभाग
डॉ. शोफाली गुप्ता, सहायक आचार्य, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
डॉ. अर्चना वर्मा, आचार्य, तंत्रिका—विज्ञान विभाग
डॉ. सुयश सिंह, सहायक आचार्य, न्यूरोसर्जरी विभाग
डॉ. पारुल सिन्हा, सह आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
डॉ. प्रगति गर्ग, आचार्य एवं प्रमुख, नेत्र विज्ञान विभाग
डॉ. अनन्या सोनी, सहायक आचार्य, कान, नाक एवं गला विभाग
डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय, सह आचार्य, हड्डी रोग विभाग
डॉ. मृत्युंजय कुमार, सह आचार्य, शिशु रोग विभाग
डॉ. सुनीता सिंह, सह आचार्य, शिशु रोग सर्जरी विभाग
डॉ. नीरज कुमारी, आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग
डॉ. सच्चिदानन्द तिवारी, सहायक आचार्य, औषध विज्ञान विभाग
डॉ. अंशु खत्री, अपर आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग एवं छात्रावास प्रभारी
डॉ. सत्यरंजन सेठी, सहायक आचार्य, भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग
डॉ. अर्ध्य पाल, सहायक आचार्य, मनश्चिकित्सा विभाग
डॉ. रशिम शुक्ला, सहायक आचार्य, मनश्चिकित्सा विभाग
डॉ. ज्ञानेश्वर श्रीधरराव पटाले, सहायक आचार्य, आधान चिकित्सा विभाग और ब्लड बैंक
डॉ. हर्षित अग्रवाल, सहायक आचार्य, ट्रॉमा एंड इमरजेंसी जनरल सर्जरी
डॉ. अमित कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, यूरोलॉजी विभाग
डॉ. तरुण प्रकाश माहेश्वरी, सह आचार्य, छात्रावास प्रभारी
श्री समीर शुक्ला, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, प्रशासन
श्री विशाल कुमार, लेखाधिकारी, लेखा विभाग
श्री रवि बिश्नोई, वरिष्ठ उपचर्या अधिकारी, नर्सिंग विभाग
श्री प्रवीण कुमार सिंह, सहायक अभियंता, अभियांत्रिकी विभाग
सुश्री तान्या श्रीवास्तव, रेडियोग्राफर
श्री विजय कुमार, रिसेप्शनिस्ट, स्वागत / चिकित्सा अभिलेख विभाग
श्री अजय कुमार, सहायक सुरक्षा अधिकारी सुरक्षा एवं स्वच्छता सेवाएं
श्री आलोक शुक्ला, फार्मासिस्ट

अध्यक्ष का संदेश



प्रो. प्रमोद गर्ग

अध्यक्ष

एम्स, रायबरेली

विगत वर्ष लंबे समय तक कोविड महामारी के लिए याद किया जाएगा, जिसने हमारे चारों ओर दुख और निराशा पैदा कर दी। दुनिया ठहर सी गई। फिर भी विगत वर्ष ने कुछ उम्मीद भी जगाई। मानव जाति की अदम्य भावना ने उदासी पर विजय प्राप्त की। महामारी के दौरान चिकित्सा विज्ञान और मानव स्वास्थ्य सबसे आगे आए। अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति के परिणामस्वरूप वायरस पर नियंत्रण पाने के लिए रिकॉर्ड समय में प्रभावी टीकों का विकास हुआ। भारत कुछ देशों के कुलीन समूह में शामिल हो गया और अपनी शोध क्षमता का प्रदर्शन करते हुए अपना स्वदेशी टीका विकसित किया। हालांकि विज्ञान और वायरस के बीच उतार-चढ़ाव की लड़ाई अभी भी उग्र है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि अंतिम जीत विज्ञान की है।

मुझे खुशी है कि एम्स, रायबरेली, जहाँ अभी भी कार्य प्रगति पर है, उसने कठिनाइयों के बावजूद अपनी विकास यात्रा जारी रखी है। मैं वहाँ के प्रशासन के लगातार प्रयासों के लिए धन्यवाद करता हूँ। यह मानवीय लचीलेपन का प्रमाण है जो सभी बाधाओं को पार कर जाता है। संकट के समय रायबरेली और आसपास के इलाकों के लोगों के लिए एम्स ने चुनौती उठायी और ऐसी उन्नत सुविधाओं से रहित क्षेत्र में कोविड -19 के लिए नैदानिक सेवाएं शुरू कीं। इसके अलावा, संकाय और रेजिडेंट डॉक्टरों ने चिकित्सा परामर्श प्रदान करके रोगियों की मदद की। बिना समय गंवाए संस्थान के शिक्षकों ने देशव्यापी तालाबंदी के दौरान छात्रों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड में जारी रखा। जरूरतमंद मरीजों को अपनी सेवाएं देने के लिए चिकित्सकों ने टेलीमेडिसिन की ओर रुख किया।

संस्थान के विकास की स्थिति की निगरानी के लिए अपनी यात्रा के दौरान, मैं चल रहे कार्य और प्रगति से संतुष्ट हूँ। मैं सभी संबंधितों, विशेष रूप से अधिशासी निदेशक, प्रो. अरविंद राजवंशी के प्रयास और प्रेरणा की सराहना करता हूँ, जिनके नेतृत्व में उन्होंने बुनियादी ढांचे की गतिविधियों को समय पर पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत और ईमानदारी से काम किया है। अनुमानों के अनुसार,

मुझे उम्मीद है कि पूर्ण अस्पताल सेवाएं 2021-2022 की पहली छमाही के दौरान शुरू हो जाएंगी और हमारे एमबीबीएस छात्र अस्पताल में बहुप्रतीक्षित किलनिकल एक्सपोजर के लिए अपना किलनिकल रोटेशन शुरू करने में सक्षम होंगे।

मुझे विश्वास है कि भारत के हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरक नेतृत्व और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन जी के मार्गदर्शन में संस्थान जल्द ही सरकार की एक प्रमुख योजना, पीएमजे एवाई के राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हमारे संयुक्त प्रयासों से, हम एम्स, रायबरेली को चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करने के अपने लक्ष्य में सफल होंगे।

मैं नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर को उद्धृत करता हूं - "मैं सोया और सपना देखा कि जीवन आनंद है। मैं जागा और देखा कि जीवन सेवा है। मैंने अभिनय किया और देखा, सेवा आनंद थी।" चूंकि यह चिकित्सा पेशे पर बहुत उपयुक्त रूप से लागू होता है, आइए मानवता की सेवा करने का प्रयास करें।

मैं एम्स परिवार के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे इस संस्थान को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास करते हैं।

प्रो. प्रमोद गर्ग,
अध्यक्ष,
एम्स, रायबरेली

अधिशासी निदेशक की कलम से



प्रो. अरविंद राजवंशी

एम.बी.बी.एस., एम.डी., एफआरसीपी (लंदन)

अधिशासी निदेशक और सी.ई.ओ.

एम्स, रायबरेली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायबरेली की वर्ष 2020-21 की वार्षिक प्रतिवेदन और लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

एम्स, नई दिल्ली के बाद 7वें एम्स के रूप में स्थापित, इस संस्थान ने अगस्त 2019 से स्नातक चिकित्सा शिक्षा (एमबीबीएस) प्रदान करने का बीड़ा उठाया है, इसे सरकार द्वारा पारित किया गया है। एम.बी.बी.एस. के 48 छात्रों का पहला बैच पाठ्यक्रम (2019) को अगस्त, 2019 के महीने में भर्ती कराया गया था। और इस प्रकार, हमने समाज को सक्षम चिकित्सा पेशेवरों के साथ बेहतर चिकित्सा प्रदान करने के लिए एक मिशन शुरू किया।

इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, संस्थान ने निष्ठावान चिकित्सा शिक्षाविदों का साथ लिया है, जिन्होंने इस अवसर पर उठने के लिए युवा मस्तिष्क के शैक्षणिक और मानसिक दृष्टिकोण को आकार देने के लिए अपना हर प्रयास किया है जिससे कि वे कठिनाईयों का सामना करेंगे और समाज को अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

नैदानिक पहलू में, हमारे युवा और क्रियाशील चिकित्सक शायद ही ओपीडी में अपनी सेवाओं का विस्तार कर सके, कोविड 19 महामारी ने 2020 की शुरुआत में मानव जाति को प्रभावित किया। हमारी प्रगति पथ पर चल रही योजना उस समय बिखर गई जब हम आईपीडी शुरू करने की योजना बना रहे थे। कोविड 19 के प्रभाव से अचानक से परेशान होने के बावजूद, हमने जल्द ही अपने आप को फिर से उन्मुख कर लिया और ओपीडी सेवाएं टेलीमेडिसिन के माध्यम से शेष अवधि तक जारी रहीं। काफी संख्या में लोगों को उस सेवा का लाभ मिला।

एक लंबी अवधि के बाद, लाभार्थियों की अत्यधिक आवश्यक राहत के लिए जुलाई 2021 के महीने में भौतिक ओपीडी सेवाएं फिर से शुरू हुईं। 2020-21 की इस अवधि के दौरान, कुल 12086 रोगियों ने व्यक्तिगत रूप से ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाया, जबकि 19616 ने टेलीमेडिसिन के माध्यम से सेवा का लाभ उठाया।

उस चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान, शैक्षणिक भाग को नवंबर, 2020 तक ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया गया था क्योंकि छात्र लौट आए थे और भौतिक रूप से कक्षाएं दिसंबर, 2020 के पहले सप्ताह से फिर से शुरू हुईं क्योंकि महामारी की गंभीरता काफी कम होने लगी थी।

हमने एक बड़ी उम्मीद के साथ नए साल (2021) की शुरुआत की क्योंकि नए बैच यानी एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए 100 छात्रों के दूसरे बैच ने जनवरी, 2021 में प्रवेश लिया। फाउंडेशन कोर्स के बाद एमबीबीएस शेड्यूल फरवरी, 2021 से शुरू हुआ। छात्रों और कर्मचारियों ने जनवरी में सरस्वती वंदना और मार्च, 2021 के दौरान पहले वार्षिक उत्सव, एफिनिटी 2021 का आयोजन बहुत धूमधाम से किया।

संस्थान ने अकादमिक और नैदानिक दोनों मोर्चों पर गति हासिल करने के लिए नए सिरे से कदम उठाए हैं। एम्स, रायबरेली को अपनी गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए एक असाधारण चिकित्सा विज्ञान संस्थान बनाने के लिए संकाय, अधिकारियों और सभी श्रेणियों के कर्मचारियों ने हर क्षेत्र में योगदान करने के लिए इसे एक बिंदु बना दिया है। और हमने उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ने का संकल्प लिया है।

मैं **स्वामी विवेकानंद** की महान शिक्षा का आह्वान करता हूँ -

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए"

(प्रो. अरविंद राजवंशी)

एम्स के बारे में

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को फरवरी 2009 में प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पी.एम.एस.एस.वाई.) के द्वितीय चरण के तहत 823 करोड़ रु. राशि के साथ अनुमोदन प्राप्त हुआ। राज्य सरकार 148 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की थी। रायबरेली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना के लिए 13 अगस्त, 2013 को एक राजपत्र अधिसूचना जारी की गई थी, जिसे एम्स, नई दिल्ली के बाद 7 वें एम्स होने का गौरव प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एम्स, रायबरेली की स्थापना के लिए जुलाई, 2013 में केंद्र सरकार को पहले से सहमत 148 एकड़ भूमि में से 97 एकड़ भूमि को हस्तांतरित किया। शेष 51 एकड़ भूमि राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहण की जा रही है और इसे उचित समय पर देने की उम्मीद है। मंत्रालय ने जुलाई, 2013 में परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में मेसर्स एच.एस.सी.सी. (इंडिया) लिमिटेड को नियुक्त किया।

कुछ तकनीकी दिक्कतों के कारण परियोजना में कई वर्षों तक विलंब हुआ। हालाँकि, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने चरण - I के तहत बुनियादी ढांचे के विकास का उद्घाटन किया और 16 दिसंबर 2018 को अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के निर्माण की आधारशिला भी रखी।

मार्च 2020 के महीने में कोविड-19 महामारी के रूप में दुनिया में एक बड़ी तबाही मची। 25 मार्च 2020 से 31 मई 2020 तक राष्ट्रव्यापी तालाबंदी लागू की गई और उसके बाद भी नियमित आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया। एम्स ओपीडी को लॉकडाउन की शुरुआत से निलंबित कर दिया गया था, लेकिन 20 अप्रैल 2020 से कई डिजिटल आउट पेशेंट विभाग शुरू किए गए थे, हालांकि टेलीमेडिसिन कॉल, व्हाट्सएप और ई-मेल के माध्यम से जनवरी 2021 के अंत तक जारी रहा।

सितंबर 2020 में संकाय के लिए नई भर्तियां की गईं और हमारे संकाय की संख्या 26 से बढ़कर 66 हो गई। 100 छात्रों का 2020 का दूसरा एम्बीबीएस बैच दिसंबर 2020 में हमारे संस्थान में शामिल हुआ।

व्यक्तिगत रूप से 2 फरवरी 2021 से नए अस्पताल भवन में कई नई सुपर स्पेशियलिटी के साथ ओपीडी फिर से शुरू की गई, ओपीडी में विभागों की संख्या में मार्च 2021 तक 8 से 16 की वृद्धि हुई।

मार्च 2021 में छात्र ने अपना पहला इंट्राकॉलेज स्पोर्ट्स सह सांस्कृतिक उत्सव एफिनिटी नाम से आयोजित किया और 2019 और 2020 के दोनों एम्बीबीएस बैचों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

लक्ष्य और दूरदर्शिता

चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और वैज्ञानिक संस्कृति से प्रभावित अनुसंधान, बीमार लोगों के प्रति करुणा और सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता में उत्कृष्टता का केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से इस संस्थान की स्थापना की गई है।



एम्स, रायबरेली के प्रतीक चिन्ह के बारे में

- चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली दवा के अमृत प्रभाव का प्रतीक सर्प और कर्मचारी है जो बीमार लोगों को बचाने और राहत देने के लिए है।
- दो फड़फड़ते पंख सही निदान के संदर्भ में नेक चिकित्सकों की मानसिक दृढ़ता का संकेत देते हैं। चिकित्सक शारीरिक बीमारियों को दूर करने और मिटाने के लिए सही दवाओं की खोज में लगे हैं।
- गेहूं के गुच्छे और उत्सव मनाते लोग शांति, समृद्धि को दर्शाते हैं जिसको सुस्वास्थ्य के द्वारा लाया गया है।
- संस्कृत श्लोक "स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्" अर्थात् अच्छा स्वास्थ्य जीवन में सभी उपक्रमों के लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद और पहली आवश्यकता है।

सूची

क्र० सं०	सूची	पृष्ठ सं०
1.	एम्स – एक नजर	1-2
2.	प्रशासनिक संरचना और संस्थागत निकाय	3-10
3.	शारीर रचना विभाग	11-12
4.	निश्चेतना विभाग	13
5.	जैव रसायन विभाग	14-15
6.	कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी विभाग	16
7.	सामुदायिक चिकित्सा विभाग	17-18
8.	दंत चिकित्सा विभाग	19-20
9.	त्वचाविज्ञान विभाग	21
10.	सामान्य चिकित्सा विभाग	22
11.	शल्य चिकित्सा विभाग	23
12.	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	24-25
13.	तंत्रिका विज्ञान विभाग	26
14.	न्यूरोसर्जरी विभाग	27-28
15.	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग	29-30
16.	नेत्र विज्ञान विभाग	31
17.	कान, नाक एवं गला विभाग	32
18.	हड्डी रोग विभाग	33-34
19.	विकृति विज्ञान विभाग	35
20.	शिशु रोग विभाग	36
21.	शिशु रोग सर्जरी विभाग	37
22.	औषध विज्ञान विभाग	38
23.	शारीर क्रिया विज्ञान विभाग	39-40
24.	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग	41
25.	मनश्चिकित्सा विभाग	42
26.	आधान चिकित्सा और रक्त बैंक विभाग	43
27.	आधात और आपातकाल विभाग	44
28.	यूरोलॉजी विभाग	45
29.	अन्य सेवाएं	
	अ. प्रशासन	46
	आ. वित्त और लेखा	47
	इ. नर्सिंग विभाग	48
	ई. रेडियो नैदानिक विभाग	49
	उ. छात्रावास	50
	ऊ. अभियांत्रिकी विभाग	51
	ऋ. औषधालय	52
	ए. स्वागत कक्ष / चिकित्सा अभिलेख विभाग	52
	ऐ. सुरक्षा और स्वच्छता सेवाएं	53
30.	वार्षिक खाता (वित्तीय वर्ष 2020-21)	55-84
31.	घटना और उत्सव की तस्वीर	86-102

एम्स – एक नजर

2020-2021

क्र.सं.	विभाग	कुल
1	संकाय सदस्य	26
2	गैर-संकाय कर्मचारी	47
3	स्नातक के छात्र	50

भौतिक ओपीडी

क्र.सं.	विभाग	कुल
1	सी.टी.वी.एस.	129
2	दंत चिकित्सा	1060
3	त्वचा विज्ञान	993
4	ई.एन.टी.	1017
5	सामान्य चिकित्सा	1801
6	शल्य चिकित्सा	488
7	स्त्री रोग	675
8	तंत्रिका-विज्ञान	777
9	न्यूरो सर्जरी	365
10	नेत्र विज्ञान	1488
11	हड्डी रोग	1736
12	शिशु रोग	453
13	शिशु शल्य चिकित्सा	31
14	शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास	132
15	मनश्चिकित्सा	366
16	यूरोलॉजी	575
कुल		12086

टेलीमेडिसिन ओपीडी

क्र.सं.	विभाग	कुल
1	सी.टी.वी.एस.	32
2	दंत चिकित्सा	1052
3	त्वचा विज्ञान	1312
4	ई.एन.टी.	1526
5	सामान्य चिकित्सा	5993

6	शल्य चिकित्सा	747
7	स्त्री रोग	1545
8	तंत्रिका-विज्ञान	39
9	न्यूरो सर्जरी	747
10	नेत्र विज्ञान	1200
11	हड्डी रोग	3017
12	शिशु रोग	947
13	शिशु शल्य चिकित्सा	25
14	मनश्चिकित्सा	426
15	यूरोलॉजी	534
16	पी.एम.आर.	474
कुल		19616

क्र.सं.	विभाग	कुल
1	एक्स-रे	1772
2	ई.सी.जी.	262
3	यू.एस.जी.	0
4	एम.आर.आई	0
5	सीटी-स्कैन	0

प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट

क्र.सं.	विभाग	कुल
1	जैव रसायन	8949
2	रुधिर विज्ञान	16692
3	नैदानिक विकृति विज्ञान	452
4	सीरम विज्ञान	253
5	कोशिकाविकृति-विज्ञान	101
6	सूक्ष्मजीवविज्ञान	0
7	आघात और आपातकाल(ए.बी.जी.)	0
8	ऊतकविकृतिविज्ञान	0
9	माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी	0
कुल		26447

प्रशासनिक संरचना

अध्यक्ष

प्रो. प्रमोद गर्ग

अधिशासी निदेशक एवं सीईओ
प्रो. अरविंद राजवंशी



चिकित्सा अधीक्षक
प्रो. अशोक कुमार

उप-निदेशक (प्रशासन)
श्री सरोज कुमार सिंह

वित्तीय सलाहकार
श्री कुमार अभय

उप-चिकित्सा अधीक्षक
डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
श्री समीर शुक्ला

संरथान निकाय

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचनाएँ दिनांक: 31 अक्टूबर 2018, 15 जुलाई 2019 और 01 अगस्त 2019 द्वारा संस्थान के निम्नलिखित सदस्यों के साथ संस्थान का गठन किया है:

क्र.सं.	नाम और पदनाम	आई.बी. में पद
1	डॉ. प्रमोद गर्ग	अध्यक्ष, एम्स रायबरेली
2	श्री अजय (तेनी) मिश्रा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
3	डॉ. महेश शर्मा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
4	श्री प्रदीप तम्ता माननीय संसद सदस्य, राज्यसभा	सदस्य
5	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
6	श्री राजेश भूषण, आईएएस सचिव, एम.ओ.एच.एण्ड एफ.एम., भारत सरकार	सदस्य
7	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
8	डॉ. डी.एस. गंगवर, आई.ए.एस. अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार	सदस्य, प्रतिनिधि एमओएच
9	मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार	सदस्य
10	निदेशक, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी	सदस्य
11	प्रो. पी. कर, पूर्व-डीन, संकाय, आयुर्विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य
12	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	सदस्य
13	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
14	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
15	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.)	सदस्य, प्रतिनिधि एमएचआरडी
16	डॉ. ज्ञानेश्वर टोंक, सह-आचार्य एवं एच.ओ.डी., हड्डी रोग विभाग, लाला लाजपत राँय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, मेरठ	सदस्य
17	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य सचिव

शासी निकाय

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स अधिनियम, 1956 की धारा -10, एम्स विनियमन, 2019 के पैरा - 5 और अन्य सभी प्रासंगिक अधिनियमों, नियमों एवं प्रावधानों के तहत एम्स, शासी निकाय का गठन किया है।

क्र.सं.	नाम और पदनाम	जी.बी. में पद
1	डॉ. प्रमोद गर्ग	अध्यक्ष
2	श्री अजय (तेनी) मिश्रा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
3	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
4	मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार	सदस्य
5	कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
6	डॉ. डी.एस. गंगवर, आईएएस अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार प्रतिनिधि एमओएच	सदस्य
7	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	सदस्य
8	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
9	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
10	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
11	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

स्थायी वित्त समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.), को एम्स नियम, 2019 के नियम-6 और 7 (1), एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

क्र.सं.	नाम और पदनाम	एस.एफ.सी. में पद
1	श्री राजेश भूषण, आईएएस सचिव, एम.ओ.एच.एण्ड एफ.एम., भारत सरकार	अध्यक्ष
2	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	उपाध्यक्ष
3	डॉ. महेश शर्मा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	सदस्य
4	डॉ. डी.एस. गंगवर, आईएएस अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार प्रतिनिधि एमओएच	सदस्य
5	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
6	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
7	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
8	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

रथायी चयन समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी चयन समिति (एस.एस.सी.) को एम्स नियम, 2019 के नियम- 7(1), 7(2) एवं 9(2), एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

क्र.सं.	नाम और पदनाम	एस.एस.सी. में पद
1	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	अध्यक्ष
2	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	उपाध्यक्ष
3	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	सदस्य
4	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
5	निदेशक, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी	सदस्य
6	डॉ. सिखार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
7	प्रो. पी. कर, पूर्व-डीन, संकाय, आयुर्विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य
8	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

स्थायी शैक्षणिक समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी शैक्षणिक समिति (एस.ए.सी.) को एम्स नियम, 2019 के नियम- 7(1) एवं 7(2), एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

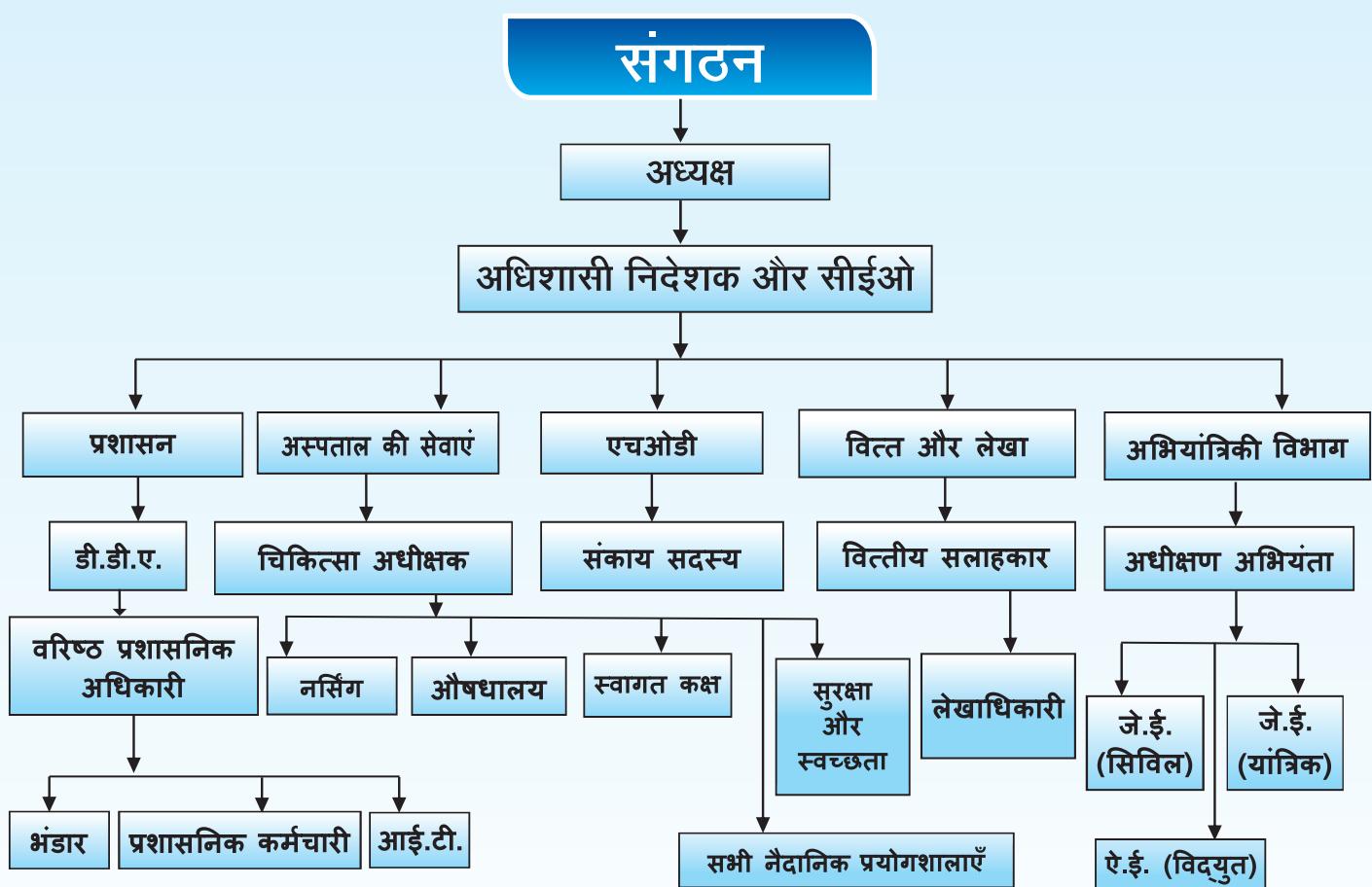
क्र.सं.	नाम और पदनाम	एस.ए.सी. में पद
1	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	अध्यक्ष
2	श्री प्रदीप तम्ता माननीय संसद सदस्य, राज्यसभा	सदस्य
3	डॉ. एस.सी. शर्मा पूर्व एच.ओ.डी. (ई.एन.टी.), एम्स, दिल्ली	सदस्य
4	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदेन
5	निदेशक, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी	सदस्य
6	डॉ. सिद्धार्थ रामजी पूर्व डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	सदस्य
7	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
8	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एम.एच.आर.डी.	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

स्थायी संपदा समिति

संस्थान निकाय ने सर्वसम्मति से एम्स, रायबरेली की स्थायी संपदा समिति (एस.ई.सी.) को एम्स अधिनियम, 1956 का भाग- 10 (5) और 10 (6) के तहत अन्य सभी अधिनियमों, नियमों और विनियमन के प्रासंगिक प्रावधानों के आधार पर गठन किया है।

क्र.सं.	नाम और पदनाम	एस.ई.सी. में पद
1	डॉ. महेश शर्मा माननीय संसद सदस्य, लोकसभा	अध्यक्ष
2	मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार	उपाध्यक्ष
3	कुलपति, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
4	महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार	सदस्य, पदन
5	डॉ. पद्म श्रीवास्तव प्रो. तंत्रिका-विज्ञान, एम्स, दिल्ली	सदस्य
6	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बी.एच.यू.) प्रतिनिधि एमएचआरडी	सदस्य
7	निदेशक, जे.आई.पी.एम.ई.आर., पुडुचेरी	सदस्य
8	डॉ. ज्ञानेश्वर टोंक, सह-आचार्य एवं एचओडी, हड्डी रोग विभाग, लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, मेरठ	सदस्य
9	प्रो. अरविंद राजवंशी, अधिशासी निदेशक, एम्स, रायबरेली	सदस्य-सचिव

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)



शरीर रचना विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. अंशु शर्मा	शरीर रचना विभाग के आचार्य और प्रमुख
2	डॉ. रजत सुभ दाश	अतिरिक्त आचार्य
3	डॉ. तरुण प्रकाश महेश्वरी	सह - आचार्य
4	डॉ. बालकुंड कैलाश दामोदर	सह - आचार्य
5	डॉ. शुभांगी यादव	सहायक आचार्य
6	डॉ. टी. नवीन सागर	सहायक आचार्य
7	डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव	सहायक आचार्य

परिचय

एम्स, रायबरेली में शरीर रचना विभाग वर्ष 2019 में अस्तित्व में आया। शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 के दौरान 100 नए एम्बीबीएस छात्रों को प्रवेश दिया गया। वर्तमान में विभाग में सात संकाय सदस्य कार्यरत हैं। विभाग को जनवरी 2021 में एक नए मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसमें विभाग की स्थापना के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा है। सभी संकाय सदस्यों ने चिकित्सा शिक्षण और अनुसंधान क्षेत्र में उत्कृष्टता बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। विभाग के लक्ष्य को प्रत्येक छात्र को यह समझाना है कि चिकित्सा की कला मानव शरीर के रहस्यों को विच्छेदित करने तथा खोजने और इसकी शानदार शारीरिक रचना से शुरू होती है।

एक योग्यता आधारित शिक्षण पद्धति के अनुपालन में, हमने शल्य चिकित्सा विषयों के सहयोग में एक लंबवत एकीकृत मॉडल पेश किया। साथ ही, हमने शरीर रचना के व्यावहारिक पहलू के साथ नैदानिक आधारित शिक्षा पर जोर दिया।

शैक्षणिक गतिविधि

विभाग ने एम्बीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए नियमित उपदेशात्मक व्याख्यान के साथ-साथ डीओएपी/संगोष्ठी/ट्यूटोरियल/एसडीएल आदि आयोजित किए। कोविड-19 के दौरान, विभाग ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से कई व्याख्यान और प्रदर्शन कक्षाओं का उत्कृष्ट प्रबंधन किया है। कोविड-19 के दौरान सैदांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह के आकलन ऑनलाइन मीडिया का उपयोग करके किए गए थे। इसलिए विभाग ने शिक्षा के ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से कुशलतापूर्वक प्रदर्शन किया है।

कोविड-19 की गंभीरता कम होने के साथ, एम्बीबीएस 2019 बैच के लिए दिसंबर, 2020 के महीने में शिक्षण का ऑफलाइन मोड फिर से शुरू हो गया। 100 छात्रों के नए बैच ने जनवरी, 2021 के महीने में प्रवेश लिया। फाउंडेशन कोर्स के बाद, एम्बीबीएस की निर्धारित कक्षाएं फरवरी, 2021 से शुरू हुईं। हमने एम्बीबीएस छात्रों के आवधिक मूल्यांकन के लिए नवीनतम परीक्षा पद्धति का पालन किया और उन्हें प्रेरित किया साथ ही खराब प्रदर्शन करने वालों पर उचित ध्यान दिया।

विभागीय पुस्तकालय में पर्याप्त अनुशंसित पुस्तकें हैं जिनका उपयोग संकाय सदस्यों और छात्रों दोनों द्वारा किया जा सकता है। विभाग ने इस शैक्षणिक सत्र के दौरान हमारे संरक्षक संस्थान, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ से पांच शव और केजीएमयू, लखनऊ से दो शव प्राप्त किए हैं। विभागीय संग्रहालय को अच्छी तरह से सुसज्जित किया गया है। ऊतक विज्ञान प्रयोगशाला में पर्याप्त संख्या में प्रकाश सूक्ष्मदर्शी और ऊतक विज्ञान स्लाइड थे। हमारे विभाग को शिक्षण पद्धति के नवीनतम तरीके से अभ्यस्त और पूरी तरह से तल्लीन किया गया है। इस बीच विभागीय शिक्षण को अधिक सशक्त और सक्षम बनाने के लिए हम वांछनीय उपकरणों की खरीद पर काम कर रहे हैं।

अनुसंधान गतिविधि

इस अवधि के दौरान, शर्वों के नमूने के आधार पर कुछ बुनियादी शोध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। संस्थागत आचार समिति के गठन के बाद प्राधिकरण का अनिवार्य अनुमोदन प्राप्त करके समय के साथ इसका प्रकाशन शुरू किया जाएगा।

उपलब्धियाँ -

1. डॉ. रजत सुभ दाश

20-22 फरवरी, 2021 तक एनाटोमिकल सोसाइटी, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित इंटरनेशनल वर्चुअल एनाटॉमी कॉन्फ्रेंस (आईवीएसीओएन 2021) के दौरान अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

2. डॉ. शुभांगी यादव

उन्हें मोनालडी आर्काइव्स फॉर चेस्ट डिजीज 2020; 90:1357 में 'उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में कोविड-19 से संक्रमित रोगियों की नैदानिक और महामारी विज्ञान प्रोफाइल' शीर्षक से एक प्रकाशन मिला था।

निश्चेतना विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. भूपेंद्र सिंह	सह - आचार्य
2	डॉ. जमील अब्दुल अलीम	सहायक आचार्य
3	डॉ. हिरोक रॉय	सहायक आचार्य
4	डॉ. शिल्पी वर्मा	सहायक आचार्य

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली में निश्चेतना विभाग और क्रिटिकल केयर विभाग नवंबर, 2020 निम्न उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था-

- गंभीर रूप से बीमार रोगियों की पेरी-ऑपरेटिव देखभाल और प्रबंधन के साथ-साथ तीव्र और पुराने दर्द सिंड्रोम के प्रबंधन और उपशामक देखभाल सेवाएं प्रदान करना।
- स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रमों की स्थापना जिसका उद्देश्य चिकित्सा छात्रों को अनुसंधान कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने और भाग लेने के लिए प्रशिक्षण देना है।

शैक्षणिक गतिविधि

- निश्चेतना विभाग ने बैच 2021 के एमबीबीएस छात्रों के लिए जीवन का मूल आधार पर व्याख्यान और प्रदर्शन की व्यवस्था की।
- हमारा विभाग संस्थागत कॉमन ग्रैंड राउंड्स में अग्रिम जीवन का मूल आधार पर एक सेमिनार प्रस्तुत करने वाला पहला था।
- विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न सम्मेलनों/संगोष्ठियों (ऑनलाइन/भौतिक) में भी भाग लिया।
- संकायों ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए हैं और अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों में पोस्टर भी प्रस्तुत किए हैं।
- स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना।

अनुसंधान गतिविधि

निश्चेतना विभाग ने अगले सत्र के लिए विभिन्न शोध और शैक्षिक गतिविधियां के लिए योजना बनाई है जल्द ही ऑपरेशन थियेटर और गहन चिकित्सा इकाई पूरी तरह कार्यात्मक हो।

नैदानिक गतिविधि

निश्चेतना विभाग ने हमारे संस्थान में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञता प्रदान की।

उपलब्धियाँ

- वर्तमान संकाय इस विभाग के संस्थापक सदस्य थे जो हमारे ऑपरेशन थिएटर, गहन और पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल इकाइयों के विकास की देखरेख करते थे।
- हमारे संस्थान में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए चिकित्सा विशेषज्ञता प्रदान की।

इस विभाग के संकाय विभिन्न संस्थागत समितियों के सदस्य हैं और अस्पताल और संस्थान के मामलों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जैव रसायन विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. संजय यादव	अपर आचार्य और विभाग प्रमुख
2.	डॉ. अल्ताफ अहमद मिर	सहायक आचार्य
3.	डॉ. अंकित गुप्ता	सहायक आचार्य
4.	डॉ. सदाशिव	सहायक आचार्य

परिचय

जैव रसायन विभाग संस्थान की स्थापना के दिन से कार्य कर रहा है। विभाग में वर्तमान में 5 संकाय और कई सहायक कर्मचारी हैं। विभाग स्नातक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान कर रहा है और इसे स्नातकोत्तर स्तर तक विस्तारित करने की योजना है। शिक्षण के साथ-साथ, यह नियमित जैव रासायनिक निदान सेवाएं भी प्रदान करता है और कई नए आणविक और जैव रासायनिक परीक्षण स्थापित करने की योजना है। विभाग जैव रसायन और संबंधित विषयों में अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

रोगी देखभाल सेवाएं

परीक्षण	संख्या
मधुमेह रूपरेखा	2881
गुर्दा संबंधी कार्य परीक्षण	1442
यकृत कार्य परीक्षण	1155
चर्बी जैसा रूपरेखा	972

अनुसंधान और प्रकाशन

प्रकाशन:

- पूजा रानी मीना, सौरभ कुमार, करिश्मा अग्रवाल, रवि कुमार, अनिर्बान पाल, सुदीप टंडन, संजीव कुमार यादव, संजय यादव, महेंद्र पी दारोकर (2021); 4-क्लोरो यूजेनॉल दवा प्रतिरोधी के खिलाफ आर्टसुनेट के साथ सहक्रियात्मक रूप से परस्पर प्रभाव डालता है पी. फाल्सीपरम ऑक्सीडेटिव तनाव को प्रेरित करता है। बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी 137, 111311
- विपिन राय, सुशील कुमार अग्रवाल, सुमित सिंह वर्मा, निकी अवस्थी, अनुपम धस्माना, साधना अग्रवाल, सत्य एन दास, मंगलम एस नायर, संजय यादव, सुभाष सी. (2020); एपॉक्सीअज़ादिराडियोन कई मार्गों को लक्षित करके सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में गतिविधियों को प्रदर्शित करता है। एपोप्टोसिस 25 (9), 763-782.
- ए. जौहरी, टी. सिंह, एस. मिश्रा, जे. शंकर, एस. यादव (2020); एम.आई.आर-146ए और पार्किन जीन की समन्वित क्रिया रोटेनोन-प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेशन को नियंत्रित करती है। विष विज्ञान 176 (2), 433-445.
- ए.के. श्रीवास्तव, एस.एस. यादव, एस. मिश्रा, एस.के. यादव, डी. परमार, एस. यादव (2020); न्यूरोनल कोशिकाओं पर डॉ.एन.ओ. नैनोकणों के प्रभाव की जांच के लिए एक संयुक्त माइक्रोआरएनए और प्रोटिओम प्रोफाइलिंग। नैनोटॉक्सिकोलॉजी 14 (6), 757-773.

5. अंकित गुप्ता*, बी. कुमार, पी. कुमार और आर. गुप्ता (2020) क्रोनिक किडनी रोग की व्यापकता और पूर्वी उत्तर प्रदेश, भारत में जोखिम कारकों के साथ इसका जुड़ाव। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल नेफ्रोलॉजी। 5(4): 90.
6. अंकित गुप्ता*, पी. कुमार और आर. गुप्ता। पूर्वी उत्तर प्रदेश में टाइफाइड संक्रमण की व्यापकता, मौसमी गतिकी और हेमटोलॉजिकल सूचकांक (2020) एनल्स ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेज रिसर्च। 10:1077-1082.

परियोजनाएं:

- 1: परियोजना शीर्षक: मलेरिया परजीवी द्वारा और समवर्ती संक्रमणों के दौरान मेजबान सेल रीमॉडेलिंग में शामिल आणविक तंत्र का विच्छेदन।
परियोजना आईडी: सरकार-डीएचआर-10-001
परियोजना/मुख्य अन्वेषक: डॉ. अंकित गुप्ता
परियोजना की अवधि: 5 वर्ष (जुलाई, 2019 - जुलाई, 2024)
कुल बजट: 72,74,275/- रुपये
योजना/एजेंसी: स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारत
- 2: परियोजना शीर्षक: मलेरिया के खिलाफ दवा विकास के लिए मूल में प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम आयन ट्रांसपोर्टर्स प्रोकैरियोटिक का कार्यात्मक लक्षण का वर्णन।
परियोजना/मुख्य अन्वेषक: डॉ. अंकित गुप्ता
परियोजना की अवधि: 2 वर्ष (नवंबर, 2019 - अक्टूबर, 2021)
कुल बजट: 31, 63,395/- रुपये
योजना/एजेंसी: स्टार्ट-अप अनुसंधान अनुदान (एसआरजी) के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत

पुरस्कार/सम्मेलन/बैठक:

1. डॉ. अल्ताफ ए. मीर ने दक्षिण कोरिया के इंचियोन में लेबोरेटरी मेडिसिन कांग्रेस 2020 में "2डी-पेज का उपयोग कर सक्रिय तपेदिक के रोगियों की डायग्नोस्टिक सीरम प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. दक्षिण कोरिया के इंचियोन में लेबोरेटरी मेडिसिन कांग्रेस 2020 के आयोजकों से वैश्विक अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त किया।
3. डॉ. सदाशिव ने इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी द्वारा आयोजित "एफआईएमएसए इम्यूनोलॉजी कोर्स -2020" बैठक और जैव रसायन विभाग एम्स, नागपुर द्वारा आयोजित "कोविड-19: जैव रसायन प्रयोगशाला परिप्रेक्ष्य" बैठक में भाग लिया।
4. डॉ. सदाशिव "एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया" के आजीवन सदस्य बनें।
5. डॉ. अंकित गुप्ता ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), ऋषिकेश द्वारा आयोजित भारतीय महामारी विज्ञान संघ (इफिकॉन-2020) के राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति "पूर्वी उत्तर प्रदेश में क्रोनिक किडनी रोग की व्यापकता और जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध" दिया।

कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. संकल्प	सहायक आचार्य

परिचय

कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी विभाग हृदय, फेफड़े, छाती और रक्त वाहिकाओं से संबंधित रोगों के सर्जिकल प्रबंधन से संबंधित है। डॉ. संकल्प 31 अक्टूबर 2020 को विभाग में पहले संकाय (संस्थापक सदस्य) के रूप में शामिल हुए।

विभाग का उद्देश्य सभी को सार्वभौमिक और व्यापक कार्डियोथोरेसिक और संवहनी देखभाल प्रदान करना और एम्स, रायबरेली में स्वास्थ्य सेवा वितरण का एक पद्धति-निर्भर प्रतिमान विकसित करना है। हमारी शिक्षण/प्रशिक्षण गतिविधियों में न केवल सभी स्तरों पर चिकित्सा छात्र शामिल होंगे बल्कि कार्डियक नर्स, परफ्यूजनिस्ट और अन्य तकनीशियन भी शामिल होंगे।

शैक्षणिक गतिविधियां (सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाएं)

एम्बीबीएस बैच के लिए फाउंडेशन कोर्स व्याख्यान

सीजीआर के भाग के रूप में अन्य संकाय सदस्यों के लिए व्याख्यान

अनुसंधान गतिविधि

प्रकाशन- 'महाधमनी मूल परिवर्धन की विभिन्न तकनीकों का विश्लेषण' (एशियन कार्डियोवस्कुलर एंड थोरैसिक एनल्स)

नैदानिक गतिविधि

सीटीवीएस विभाग ने इस अवधि में 145 ओपीडी मरीज देखे हैं।

विभाग ने कार्डियोलॉजी के एक कार्यरत विभाग की अनुपस्थिति में जरूरतमंद हृदय रोगियों को दिशानिर्देश निर्देशित चिकित्सा प्रबंधन भी प्रदान किया है, इस प्रक्रिया में एक प्रमुख कमी को पूरा करने और समग्र रूप से विशेषज्ञ हृदय / थोरैसिक / संवहनी संबंधी राय के लिए लंबी दूरी की यात्रा करने वाले रोगियों के लिए एक विकल्प प्रदान करता है।

उपलब्धियाँ

डॉ. संकल्प ने प्रशासनिक और नैदानिक कार्य करने के अलावा, पीयर रिव्यू जर्नल ऑफ रेपुट में एक समीक्षा लेख प्रकाशित किया है। वह दो पी.यू.बी.एम.ई.डी. अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक भी बन गए हैं। वह इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवस्कुलर एंड थोरैसिक सर्जन के आजीवन सदस्य हैं, जो भारत में सभी कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जनों के लिए अम्बेला एसोसिएशन (एक संगठन जो कई अन्य संगठनों की गतिविधियों को नियंत्रित या व्यवस्थित करता है) है।

सामुदायिक चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. सौरभ पाँल	सहायक आचार्य
2.	डॉ. अभय सिंह	सहायक आचार्य
3.	डॉ. चंद्र मौली मिश्रा	सीनियर रेजिडेंट

परिचय

एम्स, रायबरेली में सामुदायिक चिकित्सा विभाग की स्थापना सितंबर 2019 में गुणवत्ता अनुसंधान गतिविधि के साथ-साथ संस्थान के स्नातक चिकित्सा छात्रों / स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी।

दृष्टि:-

वैज्ञानिक जांच और सहानुभूति की भावना के साथ-साथ समुदाय के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, सेवाएं और नैतिक मूल्य प्रदान करके सामुदायिक चिकित्सा विभाग में उत्कृष्टता केंद्र विकसित करना।

शैक्षणिक गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग स्नातक छात्रों के लिए नियमित श्योरी कक्षाओं के साथ-साथ प्रदर्शन भी आयोजित कर रहा है। विभाग द्वारा संचालित कक्षाओं की संख्या इस प्रकार है:

	श्योरी कक्षास (प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष एमबीबीएस छात्र)	प्रैक्टिकल और क्लिनिकल पोस्टिंग
शैक्षणिक गतिविधियां	36	68
कॉमन ग्रैंड राउंड	प्रस्तुतीकरण: 1	सह-भागिता: 6

विभाग सलोन में ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), रायबरेली और खागीपुर सड़वा को शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (यूएचटीसी) के रूप में विकसित कर रहा है।

डॉ. सौरभ पाँल, सहायक आचार्य ने इस अवधि में तीन (3) आभासी राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तीन (3) आभासी कार्यशाला और दो (2) आभासी सीएमई में भाग लिया था। उन्होंने एक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुति भी दी थी। वे वर्बल ऑटोप्सी परियोजना के लिए राष्ट्रीय स्तर के कोडर भी बने। वह उस अवधि के दौरान दो (2) अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक भी बन गए थे। उन्होंने उस अवधि के दौरान चार (4) मूल शोध, एक (1) समीक्षा लेख प्रकाशित किया था। वह माही पब्लिकेशन हाउस द्वारा प्रकाशित "जेरियाट्रिक प्रॉब्लम्स एंड रेमेडीज़: प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ ए कम्युनिटी फिजिशियन इन इंडिया" नामक पुस्तक के लेखक भी बने।

डॉ. अभय सिंह, सहायक आचार्य

- इस अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया।
- स्नातक चिकित्सा छात्रों की आपने सभी भौतिक रूप से और ऑनलाइन कक्षाएं लीं।

3. सामुदायिक चिकित्सा, सरकारी चिकित्सा विद्यालय, कन्नौज (यू.पी.) में एमबीबीएस छात्रों के लिए एक बाहरी परीक्षक के रूप में।
4. संकाय/एस.आर./जे.आर. भर्ती सेल में एस.सी./एस.टी. संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य किया।
5. "पोषण अभियान के गुणवत्ता मूल्यांकन" के संचालन में एक पर्यवेक्षण अधिकारी के रूप में कार्य किया।
6. यू.पी. के विभिन्न जिलों में एच.आई.वी. निगरानी प्लस -2021 के लिए एस.एस.टी. (राज्य निगरानी दल) सदस्य के रूप में काम किया। - एक राष्ट्रीय परियोजना।
7. एमआईएनईआरवीए (मौखिक शव परीक्षा) में एक कोडर के रूप में काम किया - एक राष्ट्रीय परियोजना।
8. एम्स, नई दिल्ली के लिए कानपुर में पीजी पाठ्यक्रमों के लिए आईएनआई-सीईटी में पर्यवेक्षक के रूप में काम किया।

अनुसंधान गतिविधि

विभाग ने अमेठी जिले में आईएपीएसएम और अलाइव एंड थ्राइव के सहयोग से "पोषण अभियान का गुणवत्ता मूल्यांकन" शीर्षक से एक कार्यान्वयन अनुसंधान गतिविधि आयोजित की थी।

नैदानिक गतिविधि

विभाग ने 2 जून, 2020 को छात्र भोजनालय के रसोइयों और कर्मचारियों के बीच "व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में खाद्य स्वच्छता" पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया था।

विभाग ने स्वतंत्रता दिवस 2020 के अवसर पर एम्स, रायबरेली परिसर के एक तालाब में गम्बूसिया मछली को छोड़ कर "मच्छर लार्वा के पर्यावरण नियंत्रण उपाय" हेतु उत्सव मनाया था।

विभाग ने विश्व कैंसर दिवस 4 फरवरी 2021 के अवसर पर "कैंसर जागरूकता रैली और सीएमई" का आयोजन किया था।

विभाग ने निर्माण कार्य में लगे मजदूरों और उनके परिवारों के लिए एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ 4 (चार) स्वास्थ्य वार्ता सत्र भी आयोजित किया था।

इसी प्रकार विभाग एम्स, रायबरेली की ओपीडी के सहयोग से ओपीडी में आने वाले रोगियों की नियमित निवारक जांच किया।

दंत चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. आर.एस. बेदी	आचार्य और दंत चिकित्सा विभाग प्रमुख
2.	डॉ. शिवेश आचार्य	सहायक आचार्य
3.	डॉ. प्रीति शुक्ला	सहायक आचार्य

परिचय

दंत चिकित्सा विभाग ने 13.08.2018 को ओपीडी सेवाएं शुरू कीं। विभाग में संकाय और कर्मचारी अच्छी तरह से प्रशिक्षित, अत्यधिक समर्पित, कड़ी मेहनत करने वाले, केंद्रित और अनुभवी दंत चिकित्सा पेशेवरों का एक संतुलित सम्मिश्रण है। हमारी क्षमता पर प्रत्येक सदस्य शिशु से लेकर वृद्धावस्था तक की आबादी के रोगियों को विभिन्न दंत समस्याओं के लिए समकालीन और सबसे उन्नत प्रबंधन प्रदान करने के लिए सचेत रूप से काम करता है।

नैदानिक गतिविधि

विभाग सक्रिय कोविड-19 अवधि के दौरान रोगियों को उपचार प्रदान करता रहा। कुल 1060 रोगियों को विभिन्न उपचार सुविधाएं प्रदान की गईं।

- दांतों और मैक्रिसलोफेशियल क्षेत्र से संबंधित समस्याओं के लिए परामर्श और सलाह (मौखिक स्वच्छता के लिए)
- दंत और मैक्रिसलोफेशियल समस्याओं से बचने के लिए निवारक उपाय।
- शिशु चिकित्सा एंडोडॉन्टिक्स (प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष पल्प कैपिंग, पल्पोटोमी और पल्पेक्टोमी)
- एपेक्सीफिकेशन और एपेक्सोजेनेसिस
- झड़नेवाले दांतों के लिए स्टेनलेस स्टील के मुकुट
- दांतों की सड़न और संक्रमण के लिए उपचार (समग्र पुनर्स्थापन, रूट कैनल उपचार और एपिकोएक्टोमी)
- ओरल प्रोफिलैक्सिस (स्केलिंग, रूट प्लानिंग और पॉलिशिंग)
- चिकित्सकीय एस्थेटिक प्रक्रियाएं और गैर-पुनर्स्थापना योग्य दांतों का निष्कर्षण

हम निम्नलिखित क्षेत्रों में उपचार सुविधाओं के वर्णक्रम का और विस्तार करने में सफल रहे:

- प्रभावित दांतों का सर्जिकल प्रबंधन
- मौखिक और मैक्रिसलोफेशियल क्षेत्र के विभिन्न संक्रमणों का प्रबंधन (चेहरे की जगह में संक्रमण और ऑस्टियोमाइलाइटिस)
- जबड़े के जोड़ों के रोगों का प्रबंधन (टेम्परो-मैंडिबुलर जोड़)

- मौखिक और मैक्रोफेशियल क्षेत्र के कोमल ऊतकों और हड्डियों को दर्दनाक चोटों का सर्जिकल प्रबंधन
- मैक्रोसलरी साइनस के रोगों का शल्य चिकित्सा प्रबंधन
- मौखिक और मैक्रोफेशियल क्षेत्र में जबड़े की हड्डियों और कोमल ऊतकों के ट्यूमर का सर्जिकल प्रबंधन

सीनियर रेजिडेंट डॉ. श्रुति सिंह, एमडीएस (मौखिक विकृति विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान), तकनीकी अधिकारी, उपचर्या अधिकारी और विभाग में तैनात अस्पताल परिचारकों ने उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अनुसंधान गतिविधि

- अ) डॉ. आर.एस. बेदी, आचार्य, ने अनुक्रमित पत्रिकाओं में दो वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए।
- आ) डॉ. शिवेश आचार्य, सहायक आचार्य, के अनुक्रमित पत्रिकाओं में दो प्रकाशन हैं, एक पुस्तक में एक अध्याय और "शिशु दंत चिकित्सा में नैतिक विचार" पर एक पुस्तक है।
- इ) डॉ. प्रीति शुक्ला, सहायक आचार्य, का एक वैज्ञानिक प्रकाशन है।
- ई) डॉ. श्रुति सिंह, सीनियर रेजिडेंट, का अनुक्रमित जर्नल में एक वैज्ञानिक प्रकाशन है।

त्वचा विज्ञान विभाग

क्र. सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. के. गीथा	सह - आचार्य
2	डॉ. अमृता उपाध्याय	सहायक आचार्य

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली में त्वचाविज्ञान, वेनेरोलॉजी और कुष्ठ रोग विभाग ने अक्टूबर 2020 से रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करना शुरू किया, जो दूरचिकित्सा ओपीडी के साथ शुरू हुई और बाद में कोविड की स्थिति बेहतर होने पर भौतिक ओपीडी शुरू की गई। विभाग वर्तमान में बाह्य रोगी के आधार पर प्रतिदिन लगभग 50-70 रोगियों का प्रबंधन करता है। स्नातक छात्रों को ओपीडी और वार्ड में केस आधारित नैदानिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस विभाग का लक्ष्य देश में रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान में विभाग को सर्वश्रेष्ठ बनाना है।

शैक्षणिक गतिविधि

विभाग चौथे सेमेस्टर से स्नातक के छात्रों की नैदानिक पोस्टिंग के दौरान नैदानिक कक्षाओं के साथ-साथ बेडसाइड प्रदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

अनुसंधान गतिविधि

श्वेतसार रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

नैदानिक गतिविधि

विभाग ने मरीजों को सीधे बाह्य रोगी के साथ-साथ ऑनलाइन ओपीडी सेवाएं प्रदान कीं।

उपलब्धि

डॉ. के. गीता, सहायक आचार्य ने इस अवधि में 2 राष्ट्रीय सम्मेलनों और 2 राष्ट्रीय कार्यशालाओं में बाल प्रत्यारोपण और डर्माटोसर्जरी में भाग लिया था। उन्होंने आईएडीवीएल सोसायटी द्वारा आयोजित डर्मोस्कोपी पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल पूरा किया था। उन्हें अस्पताल प्रबंधन समिति, पुस्तकालय समिति, चिकित्सा शिक्षा इकाई, विभागीय खरीद समिति और संस्थान की तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सामान्य संस्थागत शैक्षणिक कार्यक्रम में कोविड त्वचा की अभिव्यक्तियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सामान्य चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. प्रमोद कुमार	सहायक आचार्य
2	डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी	सहायक आचार्य
3	डॉ. अंबुज यादव	सहायक आचार्य

नैदानिक गतिविधि:

रोगी की देखभाल:

- अ. इस अवधि के दौरान हमने विभिन्न रोगों जैसे- अनियंत्रित मधुमेह मेलेटस, उच्च रक्तचाप, हाइपोथायरायडिज्म, हाइपरथायरायडिज्म, कार्डियोमायोपैथी, हृदय रोग, क्रोनिक किडनी रोग, सीओपीडी, ब्रोन्कियल अस्थमा और अन्य बीमारियों के कई रोगियों का इलाज किया।
- आ. रोगियों के उपचार के दौरान हम मरीजों की देखभाल, उनकी संतुष्टि, शिक्षा आदि के बारे में अधिक सचेत थे।

आंकड़े:

भौतिक ओपीडी	1801	दूरचिकित्सा ओपीडी - 5993
	1- पुरुष - 903	
	2- महिला - 898	
	3- अन्य - 0	

नए मामले				पुराने मामले				कुल			
पुरुष	महिला	अन्य	कुल	पुरुष	महिला	अन्य	कुल	पुरुष	महिला	अन्य	कुल
596	627	0	1223	307	271	0	578	903	898	0	1801

डॉ. प्रमोद कुमार -

उपलब्धियाँ-

- उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में मैक्रोसाइटोसिस विषय पर एम्स, ऋषिकेश में आयोजित इफिकॉन 2020 में पोस्टर प्रस्तुति अत्यधिक प्रचलित है।
- मैक्रोसाइटोसिस रायबरेली जिले, उत्तर प्रदेश, भारत में अत्यधिक प्रचलित है। अंकित गुप्ता, एम्यू गनी और पी कुमार। आईएनटी जे रेस मेडिकल साइंसेज 2020;8(5):1632-1636.

डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी-

उपलब्धियाँ-

एम्स, ऋषिकेश में आयोजित हृदय रोग और मधुमेह चिकित्सा विषय पर संगोष्ठी में संकाय और सह आयोजन सचिव के रूप में भाग लिया।

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव	सह - आचार्य
2.	डॉ. अमित कुमार गुप्ता	सहायक आचार्य

परिचय

एम्स, रायबरेली में सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग एक महत्वपूर्ण अनुशासनात्मक विभाग है। विभाग 2018 में ओपीडी सेवाओं के साथ शुरू किया गया था। विभाग आसपास के क्षेत्र की बड़ी आबादी का इलाज करता है। विभाग मरीजों की बेहतर देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे पास मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और पोस्ट-ऑपरेटिव क्षेत्र पूरी तरह से सुसज्जित हैं।

शैक्षणिक गतिविधि

विभाग स्नातक छात्रों को नियमित नैदानिक शिक्षण दे रहा है। हम सबसे बेहतर शिक्षण पद्धति द्वारा स्नातक मेडिकल छात्र को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

अनुसंधान गतिविधि

डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव ने एक मामले की रिपोर्ट राष्ट्रीय जर्नल में तथा एक मामले की रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित की थी।

नैदानिक गतिविधि

हमारे बाह्य रोगी विभाग में 1235 मरीज देखे गए और अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक 54 माइनर प्रक्रियाएं हुईं।

उपलब्धियाँ-

डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव

- उन्होंने 22/06/20 से 20/07/21 तक एम्स, रायपुर में चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकियों में एक महीने का ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
- उन्हें राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा शल्य चिकित्सा में राजनयिक से सम्मानित किया गया।
- वह एमबीबीएस फाइनल के छात्रों के लिए एम्स, रायपुर में सामान्य शल्य चिकित्सा में बाहरी परीक्षक थे।
- उन्होंने एएमएएसआईसीओएन और एसीआरएसआईसीओएन 2020 के तत्वावधान में लैप्रोस्कोपिक हर्निया, बेरिएट्रिक और कोलोरेक्टल कार्यशाला में ऑनलाइन भाग लिया है।
- उन्होंने सामान्य सर्जरी जैसे स्तन और थायराइड सर्जरी से संबंधित विभिन्न वेबिनार में भाग लिया।
- उन्होंने एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पीओसीयूएस पर ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. अमित कुमार गुप्ता

उन्होंने इस अवधि में दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया था। इसी अवधि में वे एएमएएसआई और एएसआरसीआई के सदस्य भी बने थे। वह एमबीबीएस छात्रों के नैदानिक शिक्षण में शामिल थे। उन्होंने टेलीमेडिसिन सर्जरी ओपीडी भी चलाई थी। उन्होंने टेलीमेडिसिन पर एक लेख भी प्रकाशित किया था जो हमारे संस्थान में लॉकडाउन के दौरान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. शेफाली गुप्ता	सहायक आचार्य
2.	डॉ. सना इस्लाही	सहायक आचार्य

परिचय

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की स्थापना सितंबर 2020 में नैदानिक और अनुसंधान सेवाओं की स्थापना के अलावा स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान में विभाग विभिन्न प्रयोगशालाओं जैसे- जीवाणु विज्ञान, कवक विज्ञान, परजीवी विज्ञान, सीरम विज्ञान, माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी और विषाणु विज्ञान से प्राप्त नैदानिक नमूनों की जांच के माध्यम से संक्रामक रोगों के निदान और प्रबंधन को पूरा कर रहा है।

शैक्षणिक गतिविधियां

एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए विभाग का शिक्षण कार्यक्रम फरवरी, 2021 को शुरू हुआ। इस समयावधि में थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों सहित कुल 19 कक्षाएं आयोजित की गई थीं।

विभाग ने 24 मार्च, 2021 को विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस मनाया, जिसमें एमबीबीएस के छात्रों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और टीबी के बारे में जागरूकता फैलाने के माध्यम से पूरे मन से भाग लिया। साथ ही, उसी दिन प्रोफेसर अमिता जैन द्वारा "अव्यक्त क्षय रोग" पर एक अतिथि के तौर पर व्याख्यान दिया गया, जिसकी सभी ने सराहना की।

अनुसंधान गतिविधि

अपनी स्थापना से ही, विभाग ने जीवाणु विज्ञान, कवक विज्ञान, परजीवी विज्ञान, सीरम विज्ञान, माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी, विषाणु विज्ञान, एचआईवी प्रयोगशाला और आईसीटीसी में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए निदान, शिक्षण और अनुसंधान में उच्च मानक स्थापित किए हैं।

नैदानिक गतिविधि

विभाग चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के क्षेत्र में सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है, नैदानिक प्रयोगशाला सेवाओं और 24 घंटे आपातकालीन प्रयोगशाला सेवाओं के साथ प्रशिक्षण और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के एकीकरण पर जोर देता है।

उपलब्धियाँ

विभाग के संकाय ने स्थापना के समय से ही संस्थान में अत्याधुनिक कॉविड आरटी-पीसीआर प्रयोगशाला को डिजाइन करने के उद्देश्य से सक्रिय रूप से काम किया था।

डॉ. शेफाली गुप्ता ने 2 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया था और 3 अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं की समीक्षक बनी। उन्होंने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एक महीने की प्रेक्षकता के तौर पर भी भाग लिया था, जिसमें उन्होंने चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान, माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी और कवक विज्ञान विभागों का दौरा किया और नियमित रूप से उनके शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने विश्व टीबी

दिवस समारोह में की गई सभी गतिविधियों के डिजाइन, योजना और निष्पादन में भी अग्रणी भूमिका निभाई।

डॉ. सना इस्लाही- एक अग्रिम पंक्ति के कोविड योद्धा के रूप में उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के प्रशिक्षण में योगदान दिया था और एम्स, रायबरेली में "एंटीजन का पता लगाने, आरटी-पीसीआर और डूनेट परीक्षण के लिए नमूना संग्रह और सावधानियां बरतने के लिए" पर अभिविन्यास कक्षाएं लीं। विभिन्न नियमित सूक्ष्म जीव विज्ञानी प्रयोगशाला प्रक्रियाओं और परीक्षणों के बारे में एमबीबीएस छात्रों के प्रशिक्षण और शिक्षण के रूप में अकादमिक योगदान दिया। उन्होंने एक ही अवधि में एक मूल लेख और एक मामले का प्रतिवेदन प्रतिष्ठित अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया था। उन्होंने विभाग के सीनियर रेजिडेंट के चयन में विषय विशेषज्ञ के रूप में भी योगदान दिया था।

तंत्रिका विज्ञान विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा	सहायक आचार्य

परिचय

तंत्रिका विज्ञान विभाग की ओपीडी 20 अक्टूबर 2020 से शुरू हुई थी।

नैदानिक गतिविधि

- 20 अक्टूबर 2020 से 31 मार्च 2021 तक तंत्रिका विज्ञान विभाग की ओपीडी में 872 मरीजों का पंजीयन किया गया।
- जिसमें 20 अक्टूबर 2020 से 31 जनवरी 2021 तक ऑनलाइन ओपीडी के आधार पर 100 मामले देखे गए।
- 2 फरवरी 2021 से 31 मार्च 2021 तक ऑफलाइन ओपीडी आधार पर 772 मामले देखे गए।

पुरुष रोगी	410
महिला रोगी	362
कुल रोगी	772

अनुसंधान गतिविधि

- इस अवधि में डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा ने एक मूल शोध पत्र अनुक्रमित पत्रिका में प्रकाशन के लिए भेजा।
- इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (आईएएन) के उपर्खंड इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी एंड न्यूरोप्थाल्मोलॉजी के आजीवन सदस्य बने।
- विभिन्न ऑनलाइन वेबिनार और सम्मेलनों में भाग लिया।
- प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों में विषय: प्रौद्योगिकी और समय प्रबंधन पर फाउंडेशन कोर्स के दौरान व्याख्यान दिया।

न्यूरो सर्जरी विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. सुयश सिंह	सहायक आचार्य

परिचय

न्यूरोलॉजिकल और स्पाइन सर्जरी विभाग में पहली संकाय अक्टूबर 2020 को उस समय शामिल हुई जब कोविड महामारी की दूसरी लहर थी। प्रारंभ में, विभाग ने टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से अपनी बाह्य रोगी सुविधा सामान्य आबादी को मुहैय कराया। बाद में भौतिक ओपीडी शुरू की गई और सुपर-स्पेशियलिटी विभाग की ओपीडी प्रति सप्ताह तीन दिन होती थी और प्रत्येक बुधवार को एक विशेष स्पाइन क्लिनिक होता था। विभाग ब्रेन ट्यूमर, दर्दनाक मस्तिष्क और रीढ़ की चोट और ब्रेन हैमरेज के रोगियों की सेवा करता है।

शैक्षणिक गतिविधियां (सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाएं)

न्यूरोसर्जरी विभाग ने नारा लेखन प्रतियोगिता के साथ 20 मार्च, 2021 को मस्तिष्क की चोट जागरूकता दिवस का आयोजन किया। यूपी-यूके के न्यूरोसर्जिकल सोसायटी के अध्यक्ष प्रोफेसर संजय बिहारी को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। सड़क किनारे जागरूकता अभियान चलाई गई और आम जनता को हेलमेट वितरित किए गए।

नैदानिक गतिविधि जैसा भी मामला हो

कोई नहीं

अनुसंधान गतिविधि

- सिंह एस., श्रीवास्तव ए.के., सरदारा जे., भैसोरा के.एस., दास के.के., मेहरोत्रा ए., जायसवाल ए.के., पाणिग्रही एम.के., बिहारी एस. ए. प्रोस्पेक्टिव, सिंगल-ब्लाइंड, बाइसेंट्रिक स्टडी एंड लिटरेचर रिव्यू टू एसेस द नीड ऑफ सी 2-गेंगलियन प्रिजर्वेशन- न्यूरोस्पाइन। 2020 नवंबर 17. डीओआई: 10.14245/एनएस.2040238.119। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी: 33211949
- सिंह एस., श्रीवास्तव ए.के., गजभिये एस., भैसोरा के.एस., जायसवाल ए.के., बिहारी एस.। वेनस कॉरिडोर इन ग्रेविटी-असिस्टेड रिट्रैक्टर-लेस ओसीसीपिटो-ट्रांसटेंटोरियल अप्रोच - पॉड के टेंटेकल्स के माध्यम से एवेन्यू का हमारा अनुभव। सर्जन न्यूरोल आईएनटी.2020 नवंबर 18;11:399 डीओआई: 10.25259/एसएनआई_425_2020. पीएमआईडी: 33282459; पीएमसीआईडी: पीएमसी7710477
- मेहरोत्रा ए, सिंह एस, कांजीलाल एस, ईटी एएल। प्रतिरोधी टेम्पोरल लोब मिर्गी: एक बड़े मिर्गी सर्जरी कार्यक्रम में प्रारंभिक चरण। जे न्यूरोसी रूल प्रैक्टिस2021;12(1):193-196 डीओआई:10.1055/एस-0040-1716796
- सिंह एस, सरथरा जे, रैयानी वी, सकसेना डी, कुमार ए, भैसोरा के.एस, दास के.के, मेहरोत्रा ए, श्रीवास्तव ए.के, बिहारी एस. लार्सन सिंड्रोम में क्रानियोवर्ट्ब्रल जंक्शन अस्थिरता: एक संस्थागत श्रृंखला और साहित्य की समीक्षा। जे क्रानियोवर्ट जून स्पाइन 2020;11:276-86

5. सिंह एस, मेहरोत्रा ए, मनोगरन आरएस, बिहारी एस। पत्र: झिल्लीदार पदानुक्रम के आधार पर स्पाइनल श्वानोमा में एक उपन्यास वर्गीकरण और इसका नैदानिक महत्व। न्यूरोसर्जरी। 2020 दिसंबर 15;88(1):ई125। डीओआई: 10.1093/न्यूरोस/एनवाईएए 479. पीएमआईडी: 33231263
6. सरदारा जे., बिहारी एस., सिंह एस., ईटी एएल। बेसिलर इनवैजिनेशन के निदान की व्यवस्था के लिए एक यूनिवर्सल क्रैनियोमेट्रिक इंडेक्स [प्रिंट से पहले ऑनलाइन प्रकाशित, 2021 जनवरी 25]। न्यूरोस्पाइन। 2021; 10.14245/एनएस.2040608.304। डीओआई: 10.14245/एनएस.2040608.304
7. चुनौतियाँ, उत्तरजीविता परिणाम और भविष्यसूचक कारक। बीआर जे न्यूरोसर्जन 2020 दिसंबर 26:1-9। डोई: 10.1080/02688697.2020.1859089। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी: 33356607।
8. दास केके, सिंह एस, रंगारी के, खन्नी डी, दीक्षित पी, सरदारा जे, भैसोरा के, श्रीवास्तव एके, बिहारी एस. सी3 खंडीय कशेरुका धमनी और क्रानियोवर्टेंड्रल जंक्शन विसंगतियों में इसके सर्जिकल निहितार्थ: दो मामलों से अंतर्दृष्टि। जे क्रानियोवर्ट जून स्पाइन 2021; 12:81-5

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. पारुल सिन्हा	सह - आचार्य
2	डॉ. बनश्ची नाथ	सहायक आचार्य
3	डॉ. कृष्ण सिंह	सहायक आचार्य
4	डॉ. अपाला प्रियदर्शिनी	सहायक आचार्य
5	डॉ. स्नेहलता मीना	सहायक आचार्य

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की स्थापना वर्ष 2018 में हुई थी। यह वर्तमान में डॉ. पारुल सिन्हा के प्रभार में चल रहा है, जो राज्य में विभाग को रोगी देखभाल, अनुसंधान और शिक्षा का शीर्ष केंद्र बनाने हेतु प्रयासरत हैं। यह सभी आयु वर्ग की महिलाओं की इलाज करता है। यह विभाग महिला प्रजनन अंगों के रोगों, परिवार नियोजन और गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के दौरान महिलाओं की देखभाल से संबंधित है। विभाग अपने क्षेत्र में आने वाले सभी रोगियों को गुणवत्ता और साक्ष्य आधारित नैदानिक सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- हमारे पास फरवरी 2021 से एमबीबीएस के स्नातक छात्रों के लिए बड़ी क्लीनिक है।
- हम प्रासंगिक विषयों पर पाक्षिक विभागीय संगोष्ठी आयोजित कर रहे हैं।
- हमने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च 2021 के अवसर पर सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग और जागरूकता पर एक सीएमई का आयोजन किया। हमने सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए एक निःशुल्क शिविर लगाया और उस दिन लगभग 50 पैप स्मीयर लिए गए।
- अपने फाउंडेशन पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों की ओरिएंटेशन कक्षाएं लेने में शामिल हुए।

नैदानिक गतिविधियाँ

- इस अवधि में टेलीमेडिसिन सुविधा के साथ बाह्य रोगी विभाग चल रहा था। हमने वर्ष के दौरान लगभग 3300 रोगियों की जरूरतों को पूरा किया।
- ओपीडी क्षेत्र में अल्ट्रासोनोग्राफी की सुविधा भी उपलब्ध है।
- 48 बिस्तरों वाले प्रसूति एवं स्त्री रोग वार्ड, 10 बिस्तरों वाले श्रम अवलोकन वार्ड, श्रमिक कक्ष, मेजर और माइनर ओटी सहित इनडोर रोगी विभाग जल्द ही शुरू हो जाएगा।
- बांझपन क्लिनिक हर शुक्रवार यूरोलॉजी विभाग के सहयोग से काम करता है।

- लोगों के बीच जागरूकता फैलाने और उन्हें सुरक्षित गर्भनिरोधक का विकल्प प्रदान करने के उद्देश्य से, विभाग परिवार नियोजन सेवाओं के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। परिवार नियोजन क्लिनिक प्रतिदिन चलता है।
- सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग सुविधाएं जिनमें पैप स्मीयर, वीआईएलआई शामिल हैं, भी उपलब्ध हैं।
- हम उच्च जोखिम वाले गर्भावस्था समूहों की भी पूर्ति कर रहे हैं।
- प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर क्लीनिक प्रतिदिन चलते हैं।

उपलब्धियाँ

डॉ. पारुल सिन्हा:

- भारतीय भूूण चिकित्सा समाज के सदस्य बने।
- एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- 2 मूल शोध प्रकाशित किये।

डॉ. बनश्ची नाथः

- 03 मूल लेख और एक अध्याय प्रकाशित।

डॉ. अपाला प्रियदर्शिनी

- अमेरिकन प्रसूति एवं स्त्री रोग कॉलेज (एसीओजी) द्वारा "उच्च जोखिम गर्भावस्था के प्रबंधन में वर्तमान दृष्टिकोण" पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

नेत्र विज्ञान विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. प्रगति गर्ग	आचार्य और विभाग प्रमुख
2	डॉ स्वरास्ट्र प्रकाश सिंह	सह - आचार्य

परिचय

विभाग ने 26 जुलाई 2018 से मरीजों को उत्कृष्टतम् सुविधा प्रदान करने तथा स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से अपना कामकाज शुरू किया। विभाग का वृष्टिकोण शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी देखभाल में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

नैदानिक गतिविधि

- 1 अप्रैल 2020 से 1 फरवरी 2021 तक कोविड-19 प्रतिबंध के कारण प्रावधान के अनुसार प्रतिदिन लगभग 10-20 रोगियों की वर्चुअल ओपीडी।
- 2 फरवरी से 31 मार्च 2021 तक कोविड प्रोटोकॉल के साथ भौतिक ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 30 से 40 मरीजों की जाँच।
- नेत्र विज्ञान में तैनात स्नातक छात्रों के लिए 03 घंटे / दिन के लिए बेडसाइड शिक्षण।
- जर्नल कलब: महीने में एक बार
- केस पर चर्चा: सप्ताह में एक बार
- अंतरविभागीय सीएमई वैकल्पिक शनिवार को सुबह 8 बजे

उक्त अवधि में नेत्र विज्ञान विभाग ने 5000 ओपीडी रोगियों का जांच किया है। इनमें से जिन रोगियों को विशेष क्लीनिकों (शारीरिक ओपीडी के दौरान) में भी देखा गया, वे इस प्रकार हैं:

- | | |
|---|-----|
| • मोतियाबिंद और अपवर्तक किलनिक | 253 |
| • ग्लूकोमा किलनिक | 62 |
| • ओकुलोप्लास्टिक और स्ट्रैबिस्मस किलनिक | 37 |

शैक्षणिक उपलब्धियां

7 से 13 मार्च तक ग्लूकोमा सप्ताह के दौरान ग्लूकोमा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान हमने ग्लूकोमा के लिए प्रतिदिन लगभग 100 रोगियों की जांच की।

कान, नाक एवं गला विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. अनन्या सोनी	सहायक आचार्य
2	डॉ. अरिजीत जोतदार	सहायक आचार्य

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली के कान, नाक एवं गला विभाग ने 13.08.2018 को बाह्य रोगी सेवाओं के उद्घाटन के साथ अपनी यात्रा शुरू की। आरंभिक चरण से शुरू होकर विभाग कान, नाक एवं गल और हेड नेक सर्जरी में उत्कृष्टता के केंद्र में बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। विभाग सभी कार्य दिवसों में भौतिक ओपीडी चला रहा है और बड़ी आबादी को निर्बाध स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए कोविड महामारी के दौरान टेलीमेडिसिन ओपीडी का प्रबंधन किया। विभाग स्नातक शिक्षण में शामिल है और जल्द ही स्नातकोत्तर शिक्षण शुरू करने की उम्मीद है।

सुविधाएं

बाह्य रोगी सेवाएं (कमरा संख्या 134, 135; अस्पताल ब्लॉक)

वर्तमान में संस्थान के ईएनटी ओपीडी में आने वाले मरीजों को व्यापक बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। साथ ही कान, नाक और गले की पूरी तरह से क्लिनिकल जांच का प्रावधान है, जिसमें कान, नाक और लेरिंजियल एंडोस्कोपी की सूक्ष्म जांच जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

शैक्षणिक उपलब्धियां

डॉ. अनन्या सोनी

- एओआई और आईएसओ के सक्रिय सदस्य।
- इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में 4 प्रकाशन।
- एओआई डिजिटल समिट-2021(19-20 फरवरी 2021) में पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

डॉ. अरिजीत जोतदार

प्रकाशन:- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 2 प्रकाशन। कुल उद्धरण: 22, एच सूचकांक: 3

पेशेवर निकायों की सदस्यता:-

- फाउंडेशन ऑफ हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (एफएचएनओ) - सदस्य
- एसोसिएशन ऑफ ऑटोलर्निंगोलॉजिस्ट ॲफ इंडिया, वेस्ट बंगाल स्टेट चैप्टर (एओआई-डब्ल्यूबी)

कार्यशाला/सम्मेलन में भागीदारी:-

- योनसेई इंडोस्कोपिक ईयर सर्जरी 2021 और 8वीं योनसेई ध्वनिक ट्यूमर संगोष्ठी (वाईईईएस 2021), 6 से 7 मार्च 2021, योन्सी विश्वविद्यालय, सियोल, दक्षिण कोरिया।

हड्डी रोग विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय	सह - आचार्य
2	डॉ. पुलकेश सिंह	सह - आचार्य
3	डॉ. अमित कुमार	सहायक आचार्य

परिचय

हड्डी रोग विभाग कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू किए गए टेली-परामर्श के माध्यम से बाह्य रोगी विभाग में आने वाले रोगियों को साक्ष्य आधारित और अच्छी गुणवत्ता परामर्श और उपचार प्रदान कर रहा है। परामर्श के अलावा विभाग द्वारा विभिन्न सुविधाएं जैसे प्लास्टर और विभिन्न प्रकार के फैक्चर के लिए कास्ट एप्लिकेशन तथा मामूली प्रक्रियाओं के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं।

नैदानिक गतिविधि

बाह्य रोगी विभाग	2021-2020
भौतिक ओपीडी	1736
टेली ओपीडी	3017
कुल	4753
ड्रेसिंग	18
स्लैब / कास्ट / स्ट्रैपिंग / ब्रेस एप्लिकेशन	115
इंट्राआर्टिकुलर/ स्थानीय इंजेक्शन	05

विभाग रोगियों को जीवनशैली और शारीरिक व्यायाम में बदलाव के साथ ही घुटने के दर्द और कम पीठ दर्द वाले रोगियों को अभ्यास द्वारा अवगत कर रहा है जो इष्टतम फंक्शन प्राप्त करने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

शैक्षणिक गतिविधि

डॉ. गौरव कुमार उपाध्याय वर्तमान में सह - आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। वे विभाग के प्रभारी के रूप में भी कार्य कर रहे हैं और इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 9 लेख प्रकाशित कर चुके हैं। डॉ. पुलकेश सिंह वर्तमान में सह - आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। इस अवधि के दौरान, उन्होंने अनुक्रमित जर्नल में दो मूल शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

डॉ. अमित कुमार वर्तमान में सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। इस अवधि के दौरान, उन्होंने पीयूबीएमईडी अनुक्रमित जर्नल में एक मूल शोध पत्र प्रकाशित किया। उन्होंने संस्थान की संकाय भर्ती समिति में एक संपर्क अधिकारी के रूप में भी काम किया है।

प्रकाशन:

- उपाध्याय जी.के., कुमार ए., आयंगर के.पी., अग्रवाल ए., जैन वी.के.। कोहनी जोड़ के तपेदिक के निदान और प्रबंधन में वर्तमान अवधारणाएं। जे. किलन ऑर्थो. ट्रॉमा। 2021 मई 24;19:200-208। डीओआई: 10.1016/जे.जेकोट.2021.05.014। पीएमआईडी: 34150492; पीएमसीआईडी: पीएमसी8185235।

2. पत्रलेख एम.के., जैन वी.के., अयंगर के.पी., उपाध्याय जी.के., वैश्य आर। कोविड-19 के साथ समीपस्थ ऊरु फ्रैकचर के रोगियों में मृत्यु दर बढ़ जाती है, 4255 रोगियों पर 35 अध्ययनों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। जे. किलन ऑर्थो. ट्रॉमा। 2021 जुलाई;18:80-93। डीओआई: 10.1016/जे.जेकोट.2021.03.023। ईपीयूबी 2021 अप्रैल 20। पीएमआईडी: 33897205; पीएमसीआईडी: पीएमसी8056882।
3. जैन वी.के., उपाध्याय जी.के., अयंगर के.पी., पत्रलेख एम.के., लाल एच., वैश्य आर। लॉकडाउन के दौरान किलनिकल प्रैक्टिस पर कोविड-19 का प्रभाव: ऑर्थोपेडिक सर्जनों का एक अखिल भारतीय सर्वेक्षण। मलेशियाई ऑर्थो. जे. 2021 मार्च;15(1):55-62। डीओआई: 10.5704/एम.ओ.जे.2103.009। पीएमआईडी: 33880149; पीएमसीआईडी: पीएमसी8043638।
4. उपाध्याय जी.के., पत्रलेख एम.के., जैन वी.के., अयंगर के.पी., गौतम डी., वैश्य आर., मल्होत्रा आर। पोस्टपोलियो अवशिष्ट पक्षाधात वाले मरीजों में कुल हिप आर्थोप्लास्टी: एक व्यवस्थित समीक्षा। जे. आर्थोप्लास्टी 2021 जून;36(6):2239-2247। डीओआई: 10.1016/जे.आर्थ.2021.01.046। 2021 23 जनवरी। पीएमआईडी: 33593623।
5. उपाध्याय जी.के., अयंगर के.पी., जैन वी.के., गर्ग आर। पॉलीट्रॉमा रोगियों के प्रबंधन में अवधारणाओं और रणनीतियों का विकास। जे. किलन ऑर्थो. ट्रॉमा। 2021 जनवरी;12(1):58-65। डीओआई: 10.1016/जे.जेसीओटी.2020.10.021। ईपीयूबी 2020 अक्टूबर 13. पीएमआईडी: 33716429; पीएमसीआईडी: पीएमसी7920163।
6. जैन वी.के., अयंगर के.पी., उपाध्याय जी.के., वैश्य आर., नुने ए। कोविड-19 महामारी के दौरान पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस में दर्द का प्रबंधन करने के लिए गैर-शल्य रणनीतियाँ। जे. किलन डीआईएजीएन आरईएस.2020 नवंबर;14(11): आरई01-04.
7. अयंगर के.पी., ईश पी., उपाध्याय जी.के., मल्होत्रा एन., वैश्य आर., जैन वी.के। चिकित्सकों में कोविड-19 और मृत्यु दर। 2020;14(6):1743-1746। डीओआई:10.1016/जे.डीएसएक्स.2020.09.003
8. उपाध्याय जी.के., जैन वी.के., अयंगर के.पी., पत्रलेख एम.के., वैश्य ए। दिल्ली-एनसीआर में स्नातकोत्तर हड्डी रोग प्रशिक्षण पर कोविड-19 का प्रभाव। जे. किलन ऑर्थो. ट्रॉमा। 2020 अक्टूबर;11 (सप्ल 5): S687-S695। डीओआई: 10.1016/जे.जेसीओटी.2020.07.018। पीएमआईडी: 32837103; पीएमसीआईडी: पीएमसी7381906।
9. उपाध्याय जी.के., अयंगर के., जैन वी.के., वैश्य आर। कोविड-19 महामारी के दौरान ऑस्टियोपोरोसिस और नाजुक फ्रैकचर देखभाल के प्रबंधन में चुनौतियाँ और रणनीतियाँ। जे. ऑर्थो। 2020; 21:287-290। डीओआई:10.1016/ जे.जेओआर.2020.06.001.
10. सिंह पी., सिंह एस. के., सिंह गिल एस.पी। सबक्रोमियल इंपिंगमेंट सिंड्रोम में स्टेरॉयड इंजेक्शन के साथ प्लेटलेट रिच प्लाज्मा के परिणामों की तुलना यादचिक नियन्त्रण परीक्षण। जर्नल ऑफ बोन एंड जॉइंट डिजीज। जनवरी-अप्रैल 2020;35(1):21-5.
11. सिंह पी., सिंह एस. के., सिंह गिल एस.पी। अंग पुनर्निर्माण प्रणाली (एलआरएस) द्वारा टिबिया के यौगिक फ्रैकचर का प्रबंधन। जर्नल ऑफ बोन एंड जॉइंट डिजीज। जनवरी-अप्रैल 2020;35(1):29-34.
12. मिश्रा आर.के., शर्मा बी.पी., कुमार ए., शेरावत आर। (प्रेस में) कमिटेड डिस्टल रेडियस फ्रैकचर में के-वायर ऑग्मेंटेशन के साथ वेरिएबल एंगल वोलर प्लेट और ब्रिजिंग एक्सटर्नल फिक्सेटर का तुलनात्मक अध्ययन। चिन जे. ट्रौमैटोल। <https://doi.org/10.1016/j.cjtee.2021.04.005>

विकृति विज्ञान विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. नीरज कुमारी	आचार्य और विभाग प्रमुख
2	डॉ. मयंक अग्रवाल	सह - आचार्य
3	डॉ. श्रुति गुप्ता	सहायक आचार्य

परिचय

विकृति विज्ञान विभाग और प्रयोगशाला औषधि तेजी से बढ़ते चिकित्सा क्षेत्रों में से एक है और नैदानिक औषधि की सभी शाखाओं की नींव है और सभी नैदानिक विषयों के मूल में इसका प्रतिनिधित्व किया जाता है। यह बुनियादी विज्ञान और नैदानिक चिकित्सा के बीच की एक कड़ी है जो एक रोगी की प्रबंधन योजना को संचालित करता है। विभाग औपचारिक रूप से सितंबर 2020 में अस्तित्व में आया और रुधिर विज्ञान, नैदानिक पैथोलॉजी और कोशिकाविकृति-विज्ञान में सेवाएं प्रदान कर रहा है। हमारा लक्ष्य एक ऐसे विभाग का निर्माण करना है जो सबसे अच्छी गुणवत्ता वाले स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशियलिटी शिक्षण प्रदान करने और रोगी देखभाल में योगदान देने के लिए आत्मनिर्भर, अत्यधिक सुसज्जित और कुशल हो।

- **शैक्षणिक गतिविधियाँ:**
 - एमबीबीएस छात्रों के लिए फाउंडेशन पाठ्यक्रम
 - स्नातक पैथोलॉजी शिक्षण (प्रति सप्ताह 4 सत्र)
 - तकनीशियनों के लिए अभिविन्यास कक्षाएं (प्रति सप्ताह 1 सत्र)
- **कोई उपलब्धि: शून्य**
- **अनुसंधान गतिविधि: शून्य**
- **नैदानिक गतिविधि:** विभाग ने वर्ष 2020-2021 में रोगी देखभाल के लिए 7123 परीक्षण किए।

शिशु रोग विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. मृत्युंजय कुमार	सह - आचार्य
2	डॉ. नमिता मिश्रा	सहायक आचार्य
3	डॉ. अमित शुक्ला	सहायक आचार्य

परिचय:

एम्स, रायबरेली में शिशु रोग विभाग विभिन्न शिशु चिकित्सा विशिष्टताओं और उप-विशिष्टताओं में अत्याधुनिक और सबसे उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम चिकित्सा देखभाल, लक्षित अनुसंधान, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा समग्र प्रशिक्षण के माध्यम से शिशु देखभाल में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। देश के सीमित और घनी आबादी वाले इस संसाधन में बच्चों की देखभाल की गुणवत्ता में उल्लेखनीय बदलाव लाने के लिए विभाग देश भर में विभिन्न शिशु चिकित्सा उप-विशिष्टताओं के उच्च योग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों को शामिल करता है। हम शिशु रोग की विभिन्न उप-विशिष्टताओं में शिशु रोग और फेलोशिप पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में हैं। हमने उक्त अवधि के दौरान भौतिक ओपीडी और टेलीमेडिसिन ओपीडी सेवाएं प्रदान कीं और हम निकट भविष्य में आईपीडी सेवाएं, गहन देखभाल सेवाएं (एनआईसीयू / पीआईसीयू) और शिशु चिकित्सा उप-विशेषता सेवाएं शुरू करने की परिकल्पना करते हैं।

शैक्षणिक गतिविधि:

डॉ. मृत्युंजय कुमार ने 1 से 4 अक्टूबर 2020 को आयोजित यूपी निओकॉन-2020 में नवजात तीव्र वृक्क की चोट पर वैज्ञानिक सत्र के लिए एक अध्यक्ष के रूप में भाग लिया। उन्हें 'एंटीनेटल हाइड्रोनफ्रोसिस' पर सत्रों के लिए डीआईएपी प्लेटफॉर्म के तहत ई-सीएमई के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस अवधि के दौरान उन्हें अनुक्रमित पत्रिकाओं में 3 प्रकाशन मिले हैं। उन्होंने एमबीबीएस के छात्रों को 'इंटरनेट की मूल बातें' और 'पेशेवर प्रस्तुति' पर 2 अभिविन्यास व्याख्यान दिए। उन्होंने पाक्षिक नैदानिक दौरों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

अनुसंधान गतिविधि: कोई नहीं

नैदानिक गतिविधि:

हमने कोविड महामारी के दूसरे प्रकोप के दौरान भौतिक ओपीडी सेवाएं और टेलीमेडिसिन सेवाएं प्रदान कीं।

भौतिक ओपीडी सांख्यिकी रिपोर्ट (1/4/2020 से 31/3/2021 तक)

क्र.सं.	विभाग	नये मामले				पुराने मामले				कुल			
		प.	म.	अ.	कुल	प.	म.	अ.	कुल	प.	म.	अ.	कुल
1	शिशु रोग	180	156	0	336	60	57	0	117	240	213	0	453
	कुल	180	156	0	336	60	57	0	117	240	213	0	453

टेलीमेडिसिन ओपीडी सांख्यिकी रिपोर्ट (1/4/2020 से 31/3/2021 तक)

कुल ओपीडी मामले	947
-----------------	-----

शिशु शल्य चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. सुनीता सिंह	सह - आचार्य

परिचय

विभाग अक्टूबर 2020 में एक संकाय के साथ शुरू किया गया था। विभाग के पास शिशु चिकित्सा और नवजात सर्जिकल रोगियों को देखभाल के मानक प्रदान करने का दृष्टिकोण है। एम्स, रायबरेली के नजदीकी क्षेत्र में उपेक्षित और खराब पहुंच वाले शिशु चिकित्सा शल्य रोगियों पर अनुसंधान में विभाग की गहरी दिलचस्पी है। हम सामुदायिक स्तर पर रोकथाम रणनीतियों, जन्मजात विसंगतियों और शिशु चिकित्सा आघात पर ध्यान केंद्रित करते हुए बहु-विषयक / बहुकेंद्रीय कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

शैक्षणिक गतिविधि

डॉ. सुनीता शल्य शिक्षण और प्रोवोस्ट गल्स हॉस्टल की प्रभारी हैं। अस्पताल में शल्य सेवाओं की शुरुआत में उनके योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रावास नियमावली और विभिन्न छात्रावास प्रपत्रों का संपादन और संकलन किया जो छात्रावास के सुचारू संचालन की सुविधा प्रदान करते हैं। ऑरिएंटेशन कार्यक्रम, नियमित कक्षाओं और क्लीनिकों में स्नातक स्तर का शिक्षण भी प्रगति पर है। उनके द्वारा प्रोवोस्ट के रूप में छात्रों के मनोवैज्ञानिक कल्याण पर विशेष व्याख्यान भी आयोजित किए गए थे। एंटी-रैगिंग स्क्वाड का हिस्सा होने के नाते उन्होंने एम्स, रायबरेली परिसर को रैगिंग मुक्त परिसर बनाने का प्रयास किया।

नैदानिक गतिविधियां

विभाग टेलीमेडिसिन परामर्श के साथ शारीरिक शिशु शल्य चिकित्सा ओपीडी 4 दिन प्रति सप्ताह चला रहा है। विभाग एनोरेक्टल विकृति, शिशु चिकित्सा मूत्रविज्ञान, तंत्रिका ट्यूब दोष, तंत्रिकाजन्य मूत्राशय आदि के संबंध में सेवाएं प्रदान कर रहा है।

उपलब्धियाँ

उन्हें राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने भारतीय शिशु शल्य चिकित्सा संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में चार वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने छह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने एक समीक्षा लेख और एक मामले की रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय, सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिका में प्रकाशित की है।

औषध विज्ञान विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. सच्चिदानंद तिवारी	सहायक आचार्य
2	डॉ. पूजा	सहायक आचार्य

परिचय

एम्स, रायबरेली के औषध विज्ञान विभाग ने सितंबर 2020 में भारत में चिकित्सा शिक्षा, नवीन अनुसंधान, साक्ष्य-आधारित नैदानिक देखभाल और चिकित्सा से संबंधित नीति निर्माण में एक उत्कृष्टता केंद्र और अग्रणी होने की दृष्टि से शुरू किया। हमारा लक्ष्य नए चिकित्सकों को योग्यता-आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देकर तर्कसंगत चिकित्सा विज्ञान के जीवन भर सीखने वाले के रूप में प्रशिक्षित करना है।

शैक्षणिक गतिविधि

हमने फरवरी 2021 में बड़े समूह शिक्षण, छोटे समूह शिक्षण, स्व-निर्देशित शिक्षण, समस्या-आधारित शिक्षा, संगोष्ठी, व्यावहारिक, कंप्यूटर सहायता प्राप्त शिक्षण, आदि के रूप में औषध विज्ञान में स्नातक चिकित्सा शिक्षण शुरू किया। हम स्नातक शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए योग्यता आधारित स्नातक पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि किसी व्यक्ति में तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक स्वभाव की प्रक्रिया विकसित की जा सके ताकि वह एक चिकित्सक के रूप में, रोगियों को प्रभावी ढंग से और सुरक्षित रूप से दवाओं को निर्धारित करने में सक्षम हो सके। फरवरी से मार्च 2021 में कुल 22 घंटे बड़े समूह शिक्षण और 14 घंटे व्यावहारिक और अन्य शिक्षण विधियों का आयोजन किया गया।

उपलब्धियाँ

डॉ. सच्चिदानंद तिवारी, सहायक आचार्य, स्नातक छात्रों को नियमित शिक्षण और प्रशिक्षण के अलावा, 'ई-लर्निंग' विषय पर एमबीबीएस 2020 बैच फाउंडेशन कोर्स में एक व्याख्यान भी दिया है। उन्होंने '12वीं इंडियन सोसाइटी फॉर रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स कॉन्फ्रेंस (आईएसआरपीटीसीओएन- फरवरी 2021)' में भाग लिया। वे चिकित्सा उपकरण के सत्यापन के लिए समिति के सदस्य और संयोजक भी हैं।

डॉ. पूजा, सहायक आचार्य, ने '12वीं इंडियन सोसाइटी फॉर रेशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स कॉन्फ्रेंस (आईएसआरपीटीसीओएन- फरवरी 2021)' में भाग लिया और एक मूल शोध पत्र प्रकाशित किया, और उस अवधि के दौरान योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा के अनुसार स्नातक कक्षाएं लीं।

शरीर क्रिया विज्ञान

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ अंशु खन्नी	अपर आचार्य
2.	डॉ अरबिंद कुमार चौधरी	सहायक आचार्य
3.	डॉ. योगेन्द्र राज सिंह	सहायक आचार्य

परिचय

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अपर आचार्य और प्रभारी के रूप में मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। सितंबर 2019 में अपनी स्थापना के बाद से शरीर क्रिया विज्ञान विभाग अपनी कड़ी मेहनत से आगे बढ़ता ही जा रहा है। हम संस्थान में शामिल होने वाले एमबीबीएस छात्रों के साथ संपर्क करके उनकी चिंता को दूर करने और उन्हें सहज महसूस कराने के लिए पूरे दिल से प्रयास करते हैं।

हमारा उद्देश्य न केवल अन्य विभागों बल्कि पूरे भारत के लिए मार्गदर्शक बनना है। हम उत्कृष्टता के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने और उच्चतम स्तर की शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रगति पथ पर हैं।

शैक्षणिक गतिविधि

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग में नियमित थ्योरी कक्षाएं, प्रैक्टिकल, ट्यूटोरियल और संगोष्ठी आयोजित किए जाते हैं। विभाग ने विषयों के बारे में छात्रों में रुचि विकसित करने के लिए केस चर्चा आयोजित की थी। छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए यूनिट टेस्ट भी आयोजित किया गया। शरीर क्रिया विज्ञान की थ्योरी और प्रैक्टिकल की पहली व्यावसायिक परीक्षा फरवरी 2021 में आयोजित की गई थी। पहले एमबीबीएस बैच (बैच 2019) के छात्र 100% परिणाम के साथ उत्तीर्ण हुए। द्वितीय एमबीबीएस बैच (बैच 2020) की कक्षाएं 25/01/2021 से प्रारंभ की गईं।

एमबीबीएस बैच 2019:

1.	व्याख्यान	80 घण्टे
2.	प्रैक्टिकल	61 घण्टे
3.	ट्यूटोरियल	20 घण्टे
4.	संगोष्ठी	14 घण्टे
5.	केश चर्चा	6 घण्टे
6.	यूनिट टेस्ट	12 घण्टे

एमबीबीएस बैच 2020:

1.	व्याख्यान	42 घण्टे
2.	प्रैक्टिकल	54 घण्टे
3.	ट्यूटोरियल	11 घण्टे
4.	केश चर्चा	01 घण्टे

उपलब्धि

डॉ. अरबिंद कुमार चौधरी ने ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया, ऑनलाइन सम्मेलनों और वेबिनार में भाग लिया और नीचे दिए गए निम्न मूल लेख, समीक्षा लेख और अध्याय प्रकाशित किया।

1. प्रकाशन

- **मूल लेख:**

1. संबंधित लेखक के रूप में - पांडे यू., आलम टी., चौधरी ए.के. उत्तर भारत क्षेत्र में युवा वयस्कों के बीच मोटापा और फेफड़ों संबंधी कार्य परीक्षण को जोड़ने वाला एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। नेटल जे फिजियोल फार्म फार्माकोल 2021;11 (06):583-588
2. सह-लेखक के रूप में - जगदीशन टी, चौधरी एके, लोगनाथन एस, राजेंद्रन के, अल्लू एआर, कुप्पुसामी एम। योग अभ्यास (शीतली प्राणायाम) उच्च रक्तचाप के रोगियों में अनुभूति पर: एक यादचिक नियंत्रित अध्ययन। एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान। 2021 सितंबर;10(3)

- **समीक्षा लेख:**

महेशकुमार के, वानखर डब्ल्यू गुरुगुबेली केआर, महादेवप्पा वीएच, लेप्चा एल, कुमार, चौधरी ए। एंजियोटेंसिन-कनवर्टिंग एंजाइम 2 (एसीई 2): COVID 19 गेट वे टू मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर सिंड्रोम। रेस्पिरेटरी फिजियोलॉजी एंड न्यूरोबायोलॉजी। 2020 सितंबर 18:103548।

- **अध्याय:**

चौधरी एके, लोगनाथन एस. स्लीप रिस्ट्रक्शन एंड कार्डिएक ऑटोनोमिक इम्बैलेंस, अक्टूबर 2020, डीआओआई: 10.9734/बीपीआई/सीटीएमएएमआर/वी7, प्रकाशक: बुक पब्लिशर इंटरनेशनल, आईएसबीएन: 978-93-90431-85-4

डॉ. योगेंद्र राज सिंह

अभिनव दीक्षित, योगेंद्र राज सिंह, प्रसेनजीत मित्रा, प्रवीण शर्मा। श्रवण पथ में धूमपान प्रेरित परिवर्तन: विकसित क्षमता से साक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी • खंड 64 • अंक 2 • अप्रैल-जून 2020

भौतिक चिकित्सा विभाग और पुनर्वास

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. सत्यरंजन सेठी	सहायक आचार्य
2	डॉ. अरविंद शर्मा	सहायक आचार्य

परिचय

भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग फरवरी 2021 में स्थापित किया गया था और ओपीडी सेवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली नैदानिक देखभाल, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की शिक्षा और भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास के क्षेत्र में अनुसंधान प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था और यह गुणवत्ता में सुधार के लिए समर्पित है।

नैदानिक गतिविधि

विभाग अपनी स्थापना के समय से ही अपनी नियमित ओपीडी सेवाएं संचालित कर रहा है। प्रतिदिन 5-20 मरीज आते हैं।

उपलब्धिय

डॉ. सत्यरंजन सेठी, सहायक आचार्य ने इस अवधि में दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। वह दो अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक भी रहे हैं और इस अवधि के दौरान दो मूल शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, सहायक आचार्य ने इस अवधि के दौरान एक सीएमई में भाग लिया और एक मूल शोध पत्र प्रकाशित किया।

मनश्चिकित्सा विभाग

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	डॉ. रश्मि शुक्ला	सहायक आचार्य
2.	डॉ. अर्ध्य पाल	सहायक आचार्य

परिचय

समुदाय में मानसिक बीमारी का बोझ हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है। अपने स्वभाव से, मनोरोग संबंधी विकार न केवल रोगियों के जीवन में, बल्कि परिवार के सदस्यों और देखभाल करने वालों के जीवन में भी कहर बरपा सकते हैं। लेकिन, समस्या की इतनी भयावहता के बावजूद, मुख्यतः दुर्गमता, जागरूकता की कमी और निंदात्मक सोच जैसे विभिन्न कारकों के कारण, मानसिक विकारों का न्यून उपयोग किया जाता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली के मनोरोग विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए 2020 में अपनी यात्रा शुरू की है। सेवाएं शुरू में टेली-मनोचिकित्सा सेवाओं (महामारी के दौरान प्रचलित प्रतिबंधों के कारण) के साथ शुरू हुईं और उसके बाद भौतिक ओपीडी सेवाएं शुरू हुईं। इसके बाद से लगातार मरीजों की भीड़ बढ़ती जा रही है। विभाग राज्य के भीतर और बाहर विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले मरीजों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विभाग के संकाय सदस्य नव ग्रहण किए गए स्नातक छात्रों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल थे।

अनुसंधान गतिविधि

उक्त अवधि के दौरान संकाय सदस्यों ने 2 मेटा-विश्लेषण सफलतापूर्वक प्रकाशित किए और प्रतिष्ठित प्रकाशन के तहत 1 अध्याय प्रकाशित किया।

नैदानिक गतिविधि

विभाग ने अपनी बाह्य रोगी सेवाओं को सफलतापूर्वक शुरू किया जिसका लाभ आने वाले रोगियों के साथ-साथ संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों को भी मिला।

विश्व द्विधुवी दिवस: विश्व द्विधुवी दिवस 30 मार्च 2021 को मनोचिकित्सा के बाह्य रोगी विभाग में मनाया गया और इसमें द्विधुवी विकार के बारे में रोगी शिक्षा और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम शामिल था।

आधान चिकित्सा विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	डॉ. अरुणप्रीत कौर	सहायक आचार्य
2	डॉ. ज्ञानेश्वर श्रीधरराव पटाले	सहायक आचार्य

परिचय

एम्स, रायबरेली में सितंबर 2020 में आधान चिकित्सा विभाग की स्थापना के बाद ही जगतमंद रोगियों को गुणवत्तापूर्ण रक्त और रक्त घटक प्रदान करने के साथ-साथ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के क्षेत्र में अनुसंधान के साथ-साथ स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। रक्त केंद्र वर्तमान में विकास के चरण में है और बहुत जल्द पूरी तरह कार्यात्मक होगा। हमारे पास पूरी तरह से सेमी-ऑटोमेटेड ग्रुपिंग और क्रॉस-मैचिंग और एंटीबॉडी स्क्रीनिंग तथा सिंगल डोनर प्लेटलेट्स जैसी एफेरेसिस प्रक्रियाओं जैसी सुविधाओं के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित रक्त केंद्र चलाने का लक्ष्य है। हम चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज, ग्रैनुलोसाइटैफेरेसिस जैसी प्रक्रियाएं शुरू करके निकट अविष्य में बेहतर रोगियों की देखभाल करने के लिए भी काम कर रहे हैं।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

एम्बीबीएस अध्यापन एवं संस्थागत सामान्य भव्य दौरों में विभाग सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। विभाग ने ब्लड बैंक के बुनियादी ढांचे के विकास, उपकरण खरीद और ब्लड सेंटर लाइसेंस प्रक्रिया के लिए बुनियादी कार्य शुरू कर दिया है। विभाग रक्त केन्द्र के तकनीकी एवं उपचर्या अधिकारी के प्रशिक्षण एवं अध्यापन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। मानक संचालन प्रक्रिया डी एंड सी अधिनियम के मानकों के साथ-साथ एनएबीएच मानकों के अनुसार तैयार की जाती है और उच्च अधिकारियों द्वारा अनुमोदित होने के लिए तैयार है।

उपलब्धि

डॉ. अरुणप्रीत कौर ने इस अवधि के दौरान दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में एक मूल पत्र भी प्रकाशित किया।

डॉ. ज्ञानेश्वर पटाले ने दो राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी भाग लिया है और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में एक मूल लेख प्रकाशित किया है। वह इस अवधि के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के समीक्षक बन गए हैं।

आघात और आपातकालीन विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. सनी अग्रवाल	सहायक आचार्य (निश्चेतनाविज्ञान)
2	डॉ. हर्षित अग्रवाल	सहायक आचार्य (सर्जरी)

परिचय

आघात को "आधुनिक समाज की उपेक्षित बीमारी" के रूप में माना जाता है। विभाग की स्थापना "रोकने योग्य मौतों" को रोकने के उद्देश्य से की जा रही है। हमारे पास अत्याधुनिक "आघात और आपातकालीन" सेवाएं स्थापित करने का एक दृष्टिकोण है जो उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए बेहद फायदेमंद होगा।

शैक्षणिक गतिविधियां

विभाग कोविड-19 टीकाकरण के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने में शामिल था।

उपलब्धियाँ

सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत डॉ. हर्षित अग्रवाल को केजीएमयू में एटीएलएस के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा, उन्हें केजीएमयू में पीडीसीसी (ट्रॉमा सर्जरी) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स और जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा के समीक्षक बने। इस दौरान उनके 5 शोध पत्र प्रकाशित हुए। इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमेटोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसटीएसी) द्वारा आयोजित ट्रॉमा-2020 के दौरान वह किंवज मास्टर भी थे।

सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत डॉ. सनी अग्रवाल ने उक्त अवधि के दौरान विभिन्न सम्मेलनों और वेबिनार में भाग लिया और 1 शोध पत्र प्रकाशित किया। वह सक्रिय रूप से कोविड-19 प्रबंधन प्रोटोकॉल में शामिल रहे हैं और संस्थान के लिए आघात और आपातकालीन देखभाल सेवाओं को विकसित करने की आशा कर रहे हैं।

नैदानिक उपलब्धि: विभाग कोविड-19 टीकाकरण में शामिल था।

यूरोलॉजी विभाग

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1	डॉ. अमित मिश्रा	सहायक आचार्य

परिचय

यूरोलॉजी विभाग अक्टूबर 2020 में स्थापित किया गया था। यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के लिए ओपीडी सेवाएं 8 अक्टूबर 2020 को कोविड -19 महामारी के बीच शुरू की गई थीं। प्रारंभ में टेलीमेडिसिन के माध्यम से रोगी सेवाएं प्रदान की जाती थीं और फरवरी 2021 से संस्थान में ओपीडी प्रवेश सेवाएं शुरू की गई हैं। तब से विभाग ने सामान्य मूत्र संबंधी विकारों के लिए सक्रिय रूप से कई रोगियों की सेवा की है और साथ ही अन्य विभागों के साथ मिलकर बांझपन और यौन रोग के क्षेत्रों में विशेष सेवाएं प्रदान की हैं।

शैक्षणिक गतिविधियां

विभाग भर्ती हुए नए स्नातक छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करने में सक्रिय रूप से शामिल था। चूंकि संस्थान में अभी तक कोई स्नातकोत्तर या सुपर स्पेशियलिटी छात्र नहीं हैं। विभाग स्नातक छात्रों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के लिए तैयार किया गया है जो जनवरी 2021 में यूरोलॉजी में क्लिनिकल रोटेशन के दौरान केस प्रेजेंटेशन के लिए प्रदर्शन कक्ष की स्थापना के साथ द्वितीय एम्बीबीएस में प्रवेश करेंगे।

अनुसंधान गतिविधि

कोई शोध गतिविधि संभव नहीं थी क्योंकि कोविड महामारी के कारण रोगी का इलाज करना संभव नहीं था।

नैदानिक गतिविधि

अक्टूबर 2020 से 30 मार्च 2021 के बीच।

टेलीमेडिसिन ओपीडी - 24 घंटे प्रति सप्ताह; देखे गए कुल मरीज 524

भौतिक ओपीडी चालू होने पर (1/2/2020 से 31/3/2020 तक) - 24 घंटे प्रति सप्ताह; देखे गए कुल मरीज 569

2 विशेष क्लीनिकों की स्थापना:-

1. यौन रोग क्लिनिक
2. बांझपन क्लीनिक

प्रशासन

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री सरोज कुमार सिंह	उप - निदेशक (प्रशासन)
2	श्री समीर शुक्ला	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

संस्थान का सामान्य प्रशासन प्रभाग गतिविधियों का प्रबंधन करने वाला एक महत्वपूर्ण विंग है जो संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए निदेशक को प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। सामान्य प्रशासन में संस्थान के कर्मियों और स्थापना, सुरक्षा, संपत्ति मामलों, भंडार, सतर्कता और जनसंपर्क से संबंधित विभिन्न मामले शामिल हैं। कर्मचारियों की नियुक्ति, समितियों की बैठकों की व्यवस्था, प्रबंधन और कर्मचारी कल्याण सहित स्थापना अनुभाग और प्रशासन से संबंधित सभी मामले एम्स, रायबरेली प्रशासन द्वारा देखे जाते हैं। प्रशासन विभिन्न विभागों के संकाय, रेजिडेंट्स, उपचर्या अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की भर्ती की सुविधा प्रदान करता है।

लक्ष्य:

प्रशासन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और निम्नलिखित के माध्यम से प्रशासनिक सुधारों का अनुसरण करना:

- संस्थान की संरचना और प्रक्रिया में सुधार।
- सुशासन प्रथाओं का प्रलेखन और प्रसार।
- सेवा में निरंतर सुधार
- संगठनात्मक और सरकारी नीतियों, प्रक्रिया और मूल्यों के साथ काम करना।
- स्वायत्त रूप से और टीम के एक भाग के रूप में काम करने की क्षमता।

सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग

प्रशासन के उपखंड में सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों का उपयोग करके रोगियों और कर्मचारियों से संबंधित सेवाओं में पारदर्शिता और दक्षता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में आईटी अनुभाग स्थापित किया गया था। आईटी अनुभाग की प्रमुख जिम्मेदारी सभी विभागों को तकनीकी सहायता सेवाएं प्रदान करना है। एक आउटसोर्स कर्मचारी आईटी अनुभाग से जुड़ा है।

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

1. एचएमआईएस और क्यूएमएस
2. आधिकारिक वेबसाइट का विकास
3. इंटरनेट सेवाएं
4. सीपीपी पोर्टल पर एम्स, रायबरेली का ऑन-बोर्डिंग

वित्त और लेखा

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री अभय कुमार, आईएएस	वित्तीय सलाहकार
2	श्री विशाल कुमार	लेखाधिकारी

वित्त और लेखा अनुभाग कम्प्यूटरीकृत लेखांकन वातावरण के साथ स्थापित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 का वित्तीय विवरण को सी एंड एजी कार्यालय द्वारा संकलित और लेखा परीक्षण किया गया है। वित्तीय विवरण और अलग लेखा परीक्षण) एस.ए.आर.) की प्रति संलग्न हैं।

इस वित्तीय वर्ष के दौरान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने संस्थान की वित्तीय आवश्यकता को पूरा करने के लिए और परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए पर्याप्त अनुदान जारी किया है।

इस वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरानलेखा अनुभाग ने निम्न उपलब्धियाँ हासिल की हैं :-

- दान की प्राप्ति के लिए संस्थान का 80जी पंजीकरण।
- वेतन चिट्ठा पद्धति की स्थापना और पीएफएमएस पद्धति के साथ एकीकरण।
- दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों में दक्षता और प्रभावशीलता लाने के लिए संसाधनों और आईटी बुनियादी ढांचे का इष्टतम उपयोग।
- टीडीएस, जीएसटी रिटर्न, मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक विवरण आदि की सभी वैधानिक तिथियों का अनुपालन।

नर्सिंग विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री रवि बिश्नोई	वरिष्ठ उपचर्या अधिकारी

एम्स, रायबरेली का नर्सिंग विभाग, जिसका नेतृत्व चिकित्सा अधीक्षक ने किया है, जो हमारे प्रतिष्ठित संस्थान में एक वरिष्ठ उपचर्या अधिकारी और 4 उपचर्या अधिकारियों के साथ चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है।

नौकरी नियम, कर्मचारी विकास और शैक्षिक गतिविधियों का प्रतिनिधिमंडल:

एसएनओ की प्रमुख भूमिका नर्सिंग पेशे और उसके अधीनस्थों के व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देना है।

कर्मचारी विकास का उद्देश्य सेवाकालीन शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करने और उपचर्या अधिकारियों के प्रशिक्षण के माध्यम से अपने कर्मचारियों के कौशल ज्ञान और दक्षताओं में सुधार करना है।

लंबे समय में संस्थान की वृज्जि और लक्ष्य की उपलब्धि के लिए सहायता प्रदान करते हुए पेशेवर स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने का निर्देशात्मक लक्ष्य है।

अपने कर्मचारियों की क्षमता को अपने लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने की क्षमता प्रदान करने की अवधारणा में विश्वास रखते हैं।

विभाग ने स्वास्थ्य देखभाल उन्मुख सेवाओं को निरंतर पूरा किया।

माइनर ओटी/प्रक्रिया कक्ष सुविधा:- माइनर ओटी में प्रक्रियाओं में सहायता।

ओपीडी सेवाएं:- संकाय सदस्यों के सहयोग से ओपीडी सेवाओं में सहायता।

कोविड महामारी में टेलीमेडिसिन सुविधा:- - विभाग ने टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म के माध्यम से कोविड-19 रोगियों को होम आइसोलेशन में सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संक्रमण निवारण प्रथाओं, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं, खाद्य स्वच्छता प्रथाओं के संबंध में स्वास्थ्य प्रचार पर स्वास्थ्य शिक्षण सेवाएं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं और जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के संबंध में नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है।

कुल 427 रोगियों ने उपचर्या अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई ईसीजी सेवाएं प्राप्त की हैं।

रेडियो नैदानिक विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	तान्या श्रीवास्तव	रेडियोग्राफर

रेडियो नैदानिक विभाग वर्तमान में रोगियों को एक्स-रे सुविधाएं प्रदान कर रहा है। विभाग का प्रबंधन एक रेडियोग्राफर, एक एक्स-रे तकनीशियन और एक अस्पताल परिचारक द्वारा किया जाता है।

कर्मचारी विकास और गतिविधियाँ:-

सभी विभागीय कर्मचारी सक्रिय रूप से रोगियों की जाँच में लगे हुए हैं और अच्छी गुणवत्ता वाले रेडियोग्राफ प्रस्तुत कर रहे हैं। विभाग रेडियोग्राफ के लिए मेडिसिन, हड्डी रोग, कानगनाक एवं गला विभा,, शिशु रोग, जनरल सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग जैसे अन्य विभागों से आने वाले मरीजों की जाँच करता है, जो बीमारी के उचित निदान में मदद करता है। जरूरत के आधार पर नियमित एक्सरे किए जाते हैं। विभाग रेडियोग्राफ के - मशीन से सुसज्जित है। 30 लिए हाई फ्रीकवेंसी 400 एम.ए. एलीग्रेन मार्स हमारे विभाग में डिजिटल एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है।

कुल जांच:-

कोविड-19 के कारण ओपीडी सेवाएं बहुत अधिक प्रभावित हुईं, लेकिन फिर भी 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक ओपीडी में लगभग 2000 एक्स-रे नियमित रूप से किए गए।

छात्रावास

क्र.सं.	संकाय	पदनाम
1.	डॉ. अंशु शर्मा	मुख्य प्रोवोस्ट
2.	डॉ. सुनीता सिंह	प्रोवोस्ट (लड़कियों का छात्रावास)
3.	डॉ. तरुण महेश्वरी	प्रोवोस्ट (लड़कों का छात्रावास)
4.	डॉ. संदीप अग्रवाल	सहायक प्रोवोस्ट (लड़कों का छात्रावास)
5.	डॉ. योगेंद्र राज सिंह	सहायक प्रोवोस्ट (लड़कों का छात्रावास)
6.	डॉ. अमित कुमार	सहायक प्रोवोस्ट (लड़कों का छात्रावास)
7.	डॉ. अमित शुक्ला	सहायक प्रोवोस्ट (लड़कों का छात्रावास)
8.	डॉ. अनन्या सोनी	सहायक प्रोवोस्ट (लड़कों का छात्रावास)
9.	डॉ. श्रुति गुप्ता	सहायक प्रोवोस्ट (लड़कों का छात्रावास)

इस संस्थान में छात्रावास जीवन का एक अनिवार्य घटक है, जिसमें छात्र, कर्मचारी और संकाय एक ही परिसर में रहते हैं। छात्रावास में छात्रों को पर्याप्त समय मिलने से वे अस्पताल में आवश्यक कौशल प्राप्त करने हेतु पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का उपयोग कर पाते हैं जो केवल अनुभव द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

लड़के और लड़कियों का छात्रावास सुविधाजनक स्थान पर स्थित हैं और छात्रों को दिन भर की मेहनत और पढ़ाई के बाद लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। यह छात्रों को अपने सहयोगियों के साथ बातचीत करने, दोस्त बनाने, स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाने, अच्छे इंसान बनने और दैनिक जीवन के दबावों का सामना करने की अनुमति देता है।

2019 बैच और 2020 बैच के छात्रों के लिए अलग-अलग सात मंजिल की इमारतें हैं। प्रत्येक तल पर बैठक कक्ष और उपयुक्त सुविधा कक्ष हैं। प्रत्येक कमरा अच्छी तरह से सुसज्जित है और एकल छात्र के लिए आवंटित किया गया है। छात्रों को कुल 104 कमरे आवंटित किए गए हैं। प्रत्येक छात्रावास वाई-फाई सुविधा और इनडोर खेल क्षेत्र से सुसज्जित है। 2020 बैच के छात्रों का स्वागत पिन अप समारोह के साथ जनवरी 08, 2021 को किया गया।

सभी स्नातक छात्रों के आवास के लिए एक सात मंजिला भवन (छात्रावास: 5) है। भवन में रहने के लिए उपयुक्त संख्या में कमरे हैं। प्रत्येक छात्रावास वाई-फाई सुविधा और इनडोर खेल क्षेत्र से सुसज्जित है।

प्रत्येक कमरा अच्छी तरह से सुसज्जित है और एकल छात्र को आवंटित किया गया है। कुल $34 \{ (2020 \text{ बैच} = 30) + (2019 \text{ बैच} = 14) \}$ कमरे छात्रों को आवंटित किए गए हैं। लड़कियों के छात्रावास के अंदर चौबीसों घंटे दो हॉस्टल केरार टेकर उपलब्ध हैं। बालिका छात्रावास से सटे एक भवन में भोजनालय है। छात्रावास एवं भोजनालय रेगिंग संबंधी गतिविधियों से पूर्णतः मुक्त है।

सत्र के दौरान मानसिक कल्याण पर व्याख्यान, गणतंत्र दिवस समारोह, सरस्वती पूजा और कॉलेज उत्सव-एफिनिटी 1.0 जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभियांत्रिकी विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	प्रवीण कुमार सिंह	ए.ई. (विद्युत)
2.	धर्मेन्द्र भारद्वाज	जे.ई. (सिविल)
3.	पवन कुमार	जे.ई. (ए./सी.&आर.)

अभियांत्रिकी विभाग वर्तमान में एक अधीक्षण अभियंता (अतिरिक्त प्रभार) के नेतृत्व में है और एक सहायक अभियंता (विद्युत) और दो कनिष्ठ अभियंता (सिविल, आरएसी) द्वारा जुड़ा हुआ है। अभियांत्रिकी विभाग को आठ आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा सेवाएं प्रदान करने और अनुशासन बनाए रखने के लिए विधिवत समर्थन प्राप्त है।

अभियांत्रिकी विभाग विभिन्न प्रकार की सेवाएं और सहायता प्रदान करता हैं, जिसमें आवासीय परिसर, छात्रावास, अस्थायी ओपीडी का नियमित रखरखाव शामिल है।

यहाँ दी जाने वाली सेवाओं में वातानुकूलन का संचालन और रखरखाव, विद्युत प्रणाली, अस्थायी ओपीडी और आवासीय ब्लॉक के निर्माण आदि सुविधाएं शामिल हैं।

एम्स, रायबरेली को निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए एक अलग 11 के.वी. डेडीकेटेड फीडर उपलब्ध है।

औषधालय

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	आलोक कुमार शुक्ला	फार्मासिस्ट (औषधालय)
2.	राहुल	वितरण परिचारक (औषधालय)
3.	रोहित गुप्ता	वितरण परिचारक (औषधालय)

औषधालय में कुल 3 स्थायी कर्मचारी हैं। उन्हें 3 संविदा कर्मचारियों द्वारा विधिवत समर्थन किया जाता है। विभाग के 2 स्टोर -सर्जिकल फार्मेसी स्टोर (चौथी मंजिल) पर और मेडिसिन फार्मेसी (पहली मंजिल) पर हैं। विभाग द्वारा की जाने वाली गतिविधि सभी आईपीडी वार्डों को दवाएं और सर्जिकल आइटम जारी करती है, ऐसे अस्पताल के लिए सर्जिकल वस्तुओं और दवाओं की खरीद हेतु दवाएं उपलब्ध कराती है। कर्मचारी ने कोविड अवधि के दौरान दवाओं और आवश्यक सर्जिकल वस्तुओं का लाभ उठाने के संबंध में विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया।

स्वागत कक्ष/चिकित्सा अभिलेख विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	विजय कुमार	स्वागती

स्वागत कक्ष का नेतृत्व चिकित्सा अधीक्षक द्वारा किया जाता है। यहां एक स्वागती और बारह चिकित्सा अभिलेख कर्मचारी के द्वारा सहायता प्रदान किया जा रहा है।

कर्मचारी विकास और गतिविधियाँ :-

स्वागत कक्ष अस्पताल में आने वाले रोगियों के लिए संपर्क करने का पहला बिंदु है। हम पंजीकरण, जांच,(मौखिक / टेलीफोनिक) परामर्श और विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए शुल्क एकत्र करके रोगी की सेवा करते हैं।

अन्य:-

- I. ओपीडी रोगी पंजीकरण।
- II. आईपीडी रोगी पंजीकरण।
- III. शुल्क संग्रह।
- IV. लैब रिपोर्ट प्रिंटिंग।
- V. मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करना।
- VI. टीबी रोगी पंजीकरण (निक्षय पोर्टल)।
- VII. ओपीडी, आईपीडी और टेलीमेडिसिन अभिलेख बनाए रखना।
- VIII. मरीजों को व्हील चेयर और स्ट्रेचर की सुविधा उपलब्ध कराना।

सुरक्षा और स्वच्छता विभाग

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	अजय कुमार	सहायक सुरक्षा अधिकारी

- सुरक्षा और स्वच्छता विभाग का नेतृत्व चिकित्सा अधीक्षक करते हैं।
- एम्स परिसर में भवन, लोगों और विभिन्न मशीनों की सुरक्षा का जिम्मा सुरक्षा विभाग को सौंपा गया है।
- विभाग ने एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा जारी सफाई दिशानिर्देशों का पालन करता है।
- सुरक्षा एवं स्वच्छता विभाग संस्थान के ओपीडी, छात्रावास, कॉलेज और आवासीय ब्लॉकों को सेवाएं प्रदान करता है।
- सुरक्षा विभाग परिसर के अंदर या बाहर सामग्री की आवाजाही के लिए उचित गेट के पास यंत्र स्थापित किया गया है।
- प्रतिदिन परिसर की चारदीवारी के पास निरीक्षण किया जाता है।
- छात्रावास और निवास क्षेत्र में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के नियंत्रण के लिए कर्मचारियों को वाहन लोगों वितरित किए जाते हैं।
- सुरक्षा विभाग विभिन्न आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है -
 1. किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया टीम के लिए एक चौपहिया वाहन हमेशा रखा होता है।
 2. विभिन्न भीड़ नियंत्रण उपकरण जैसे ढाल, हेलमेट और लाउड स्पीकर।
 3. आग की किसी भी घटना से निपटने के लिए अग्निशामक सूट।
 4. त्वरित प्रतिक्रिया के लिए विभिन्न स्थानों पर वॉकी टॉकी प्रदान की जाती है।
- एम्स परिसर के अंदर पुलिस चौकी है।
- सुरक्षा से संबंधित किसी भी मुद्दे की रिपोर्ट करने के लिए एक समर्पित 24*7 संपर्क नंबर 9452402622 परे परिसर के अंदर व्यापक रूप से सार्वजनिक किया गया है।
- आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए समय-समय पर अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
- राष्ट्रीय पर्व (गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस) के दौरान। सुरक्षा विभाग परिसर को सजाता है और माननीय अधिशासी निदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर (सम्मान) दिया जाता है।
- सुरक्षा विभाग भी वृक्षारोपण और जंगल की सफाई जैसे सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेता है।

लेखा विवरण

2020-21



**अधिकार भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
रायबरेली, उत्तर प्रदेश**

डलमऊ रोड, मुंशीगंज, रायबरेली, यू.पी. भारत – 229405

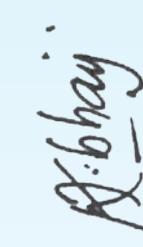
अखिल भारतीय आयविज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 के अनुसार तलन-पत्र

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	राशि (रुपये में)
समग्र / पूँजी निधि तथा देनदारी				
समग्र / पूँजी निधि	1	5,00,26,17,950.00	3,00,10,30,862.00	
संरक्षित और आधिकाय	2	1.00	1.00	
निधिरित/बंदोबस्ती/समग्र निधि	3	75,78,06,211.48	52,89,42,294.48	
सुरक्षित ऋण और उधार	4	1,78,54,40,527.00	1,71,04,40,527.00	
असुरक्षित ऋण और उधार	5	-	-	
आस्थगित ऋण और देनदारी	6	-	-	
चालू देनदारी और प्रावधान	7	11,72,75,573.45	6,66,04,515.96	
कुल		7,66,31,40,262.93	5,30,70,18,200.44	
परिसंपत्ति				
अचल परिसंपत्ति - शैद्य खण्ड	8	5,53,69,02,975.00	4,37,92,55,615.00	
निवेश - निर्धारित / बदोबस्ती कोष से	9	-	-	
निवेश - अन्य	10	-	-	
चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि		2,12,62,37,287.93	92,77,62,585.44	
फटकर खर्च - प्रासंगिक		-	-	
(कछ हद तक लिखा या समायोजित नहीं)				
कुल		7,66,31,40,262.93	5,30,70,18,200.44	
महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ	24			
आकस्मिक देनदारी और लेखों पर टिप्पणियाँ	25			

स्थान: रायबरेली
दिनांक :


(विशाल कुमार
लेखाकारी)


(कुमार अभ्यानी, आईएएस)
वित्तीय सतहकार


(प्रो. अरविंद राजवंशी)
आधिकारी निदेशक

अधिकारी भारतीय आयवित ज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प.)

31-01-2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

	विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	राशि (रुपये में)
आय					
बिक्री/सेवा से आय		12	4,23,175.00	31,42,535.00	
अनदान/आर्थिक सहायता		13	22,54,02,623.00	11,45,90,334.33	
शल्क/आर्थिक सहायता		14	13,50,809.64	5,58,190.48	
निवेश से आय (निधि में उद्दिष्ट/बंदोबस्त निधि)		15	-	-	
अंतरण से निवेश पर आय		16	-	-	
राजसी, प्रकाशन से आय		17	1,16,28,119.00	1,69,46,573.00	
अंतिम छ्याज		18	8,04,184.00	9,41,490.00	
अन्य आय		19	-	-	
तेचार माल और डब्ल्यूआईपी की वृद्धि/कमी					
	कुल (अ)		23,96,08,910.64	13,61,79,122.81	
व्यय					
स्थापना व्यय		20	16,64,35,360.00	9,14,35,906.00	
अन्य प्रशासनिक व्यय		21	6,56,42,384.64	4,21,60,491.81	
अनदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय		22	-	-	
छ्याज		23	-	-	
मूल्यहास (अनुसूची-8 के अनुरूप वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)			75,31,166.00	25,82,725.00	
	कुल (ब)		23,96,08,910.64	13,61,79,122.81	
व्यय से आधिक आय शेष		(अ-ब)	-	-	
विशेष आरक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)			-	-	
सामान्य आरक्षित निधि से को अंतरण			-	-	
अधिशेष/घाटा बकाया को मूल/आधारभूत निधि			-	-	
में लाया गया					
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ			24		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियाँ			25		

स्थान : रायबरेली
दिनांक :

(कमान अध्यक्ष, आईएएस)
वित्तीय सलाहकार
लेखा अधिकारी

(कमान अध्यक्ष, आईएएस)
वित्तीय सलाहकार

(प्रो. अरविंद राजवंशी)
अधिकारी निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (3.प्र.)

वर्ष 01-04-2020 से 31-03-2021 के लिए समेकित पावती और भूगतान

	पावती	चाल वर्ष 31.03.2021	चाल वर्ष 31.03.2020	चाल वर्ष 31.03.2021	चाल वर्ष 31.03.2020	राशि (रुपय म)
<u>उत्तर शेष - सम्पदान</u>						
<u>तात्पर्य म तात्पात्र</u>						
<u>बैंक शेष :-</u>	-	-	-	-	-	
संभव खाता (SBI-37836546058)	26,55,70,387.28	16,86,59,223.81	यात्रा व्यय- आधिकारिक आगमन	6,23,126.00	10,62,902.00	
टोडोप्रस खाता (SBI-38040069713)	-	51,231.00	स्थानीय प्रयोग/वाहन व्यय	1,61,003.00	52,068.00	
पावती खाता (SBI-39197422390)	3,01,923.52	10,00,000.00	विद्युत और बिजली बिल	7,06,106.00	11,60,530.00	
निःजो अनुदान खाता (SBI-38276861022)	34,94,690.00	-	टेलीफोन व इंटरनेट व्यय	1,32,54,410.00	75,01,229.00	
निःजो अनुदान खाता (SBI-40071466833)	-	-	सुदूर और लेखन सामग्री	9,65,816.00	5,88,936.00	
अनुदान खाता (SBI-40071471559)	26,96,75,314.00	-	वेगानिक प्राज्ञानिक व्यय	8,31,533.00	4,71,391.00	
कंपनी बैंक निवाल खाता	-	-	विभागीय आक्रियकता	11,51,990.00	-	
कंपनी अनुदान भारत समिक्षा व्यय	-	-	अधीनसेव विक्रिता अपरिस्ट व्यय	6,79,229.64	5,71,325.00	
कंपनी अनुदान भारत समिक्षा व्यय	-	-	आउटसेस मैनपरवर	1,00,372.00	1,22,337.00	
सहायता अनुदान (वेतन के लिए)	20,00,00,000.00	11,00,00,000.00	सामाज्य उपलब्धिकार	3,05,80,771.00	2,18,53,857.00	
सहायता अनुदान (सामाज्य के लिए)	10,00,00,000.00	9,05,97,358.00	सरकात और रखरखाव (विद्युत)	8,87,950.00	3,45,923.81	
सहायता अनुदान (परिसरपर्याए के लिए)	10,00,00,000.00	2,48,00,000.00	सरकात और रखरखाव (सिविल)	8,00,033.00	3,95,251.00	
सहायता अनुदान (स्वच्छता कार्य योजना के लिए)	2,00,00,000.00	-	सरकात और रखरखाव (आरएसी)	84,507.00	11,151.00	
सहायता अनुदान (इण मूल्यम)	52,50,00,000.00	78,75,00,000.00	डाक	6,10,100	5,967.00	
सहायता अनुदान (हिंग व्याज के लिए)	18,42,90,901.00	5,60,89,464.00	अखबार/प्रिकाए/आवधिक	15,912.00	9,936.00	
निःजो अनुदान प्राप्त खाता (खेल और सास्कृति के लिए)	5,63,750.00	-	विज्ञान और प्रयोग खेल	2,85,914.00	2,17,078.00	
<u>अन्य पावती सम्पदान</u>			सकाय और कमेचारी की भत्ता	9,42,220.00	-	
<u>अन्य तोतेष</u>			अन्य तोतेष	-	-	
पर्याप्त और लेव शूलक	4,23,175.00	31,42,535.00	महामानखाला और छावनावस व्यय	26,397.00	3,84,887.00	
जनसनातदार बांड	1,00,000.00	4,00,000.00	सरकात और रखरखाव (कृष्णर)	19,72,15.00	19,98,305.00	
ग्रन्ट हाउस किंगाया	66,100.00	66,900.00	आचार्य और मरहमपट्टी	4,69,926.00	7,76,235.00	
विविध आय	-	310.00	एकम-रे फिल्म	66,353.00	4,82,376.00	
कंपना बैंक से प्राप्त व्याज	2,37,16,755.23	-	शैल्य चिकित्सीय अनुदान	28,970.00	2,12,633.00	
बैंक से प्राप्त व्याज	57,65,604.00	84,43,485.32	रासायनिक अनुदान	10,73,553.00	22,90,207.00	
कंफरेंटेशन किंगाया	-	1,48,296.00	काच/त्वास्टिक के बने चदाशे	98,676.00	5,20,764.00	
दचाकास्टिक टेडस (एस एड औ)	21,600.00	39,294.00	-	-	-	
बैंक अनुदान शूलक	8,95,609.64	3,45,390.48	लान्ड्री और सीएसपस्ट्री	15,794.00	16,671.00	
जनसनातदार मूल्यम	3,24,268.00	-	अस्पताल उपकरण	10,34,385.00	6,16,810.00	
आयकर धन व्यापार	-	1,86,500.00	-	-	-	
पर्याप्त और लेव व्यापार	75,000.00	-	-	-	-	
एमबीबीएस छावी से प्राप्त शूलक	-	-	-	-	-	
एमबीबीएस छावी से प्राप्त शूलक	5,97,312.00	3,51,360.00	स्थापना व्यय	11,75,28,821.00	6,36,64,437.00	
एमबीबीएस परीक्षा शूलक	29,600.00	-	मजदूरी और वेतन	-	-	
पर्याप्त विवरण	-	-	बाल शिक्षा भत्ता	6,07,500.00	2,07,000.00	
जीएमी एसईआरडी 2019-002	4,00,000.00	17,50,000.00	स्थानातरण टीएएलटीस्टी	14,68,584.00	3,29,726.00	
जीआओसीटीएचआर	-	20,00,000.00	छुट्टी नाटकपृष्ठ और जपदान के लिए प्रवधन	1,92,039.00	49,156.00	
एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड	7,10,866.00	-	विज्ञान समाधान भत्ता	14,69,312.00	8,14,613.00	
जीआओसीटीएचआर	3,550.00	-	विद्याज्ञान समाधान भत्ता	99,67,817.00	25,22,336.00	
पार्टी-कायालय	-	-	अखबार भत्ता	2,02,548.00	84,911.00	
टेलीफोन प्रतिपूर्ति	-	-	टेलीफोन प्रतिपूर्ति	5,41,020.00	1,13,520.00	
ब्रॉफर्केस प्रतिपूर्ति	-	-	ब्रॉफर्केस प्रतिपूर्ति	2,12,540.00	-	
एतरस्टडील भत्ता	-	-	एतरस्टडील भत्ता	1,83,09,694.00	1,32,17,100.00	
पीएओ-कायालय	-	-	पीएओ-कायालय	3,550.00	-	

पावती	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	31.03.2021	31.03.2020	शुगतान	शुगतान	31.03.2021	31.03.2020
अम्बल संगठनों पर व्यय	-	-	-	-	-	-
फर्नीचर और स्थिरता	73,653.00	4,29,429.00	-	-	-	-
कागजात्रय उपकरण	3,98,202.00	18,52,144.00	-	-	-	-
वाहन	37,80,624.00	-	-	-	-	-
अस्पताल उपकरण	16,35,687.00	12,72,566.00	-	-	-	-
कच्चटर सहायक उपकरण	32,70,927.00	48,17,489.00	-	-	-	-
पुस्तकालय पुस्तकें	-	1,86,980.00	-	-	-	-
शुण चक्रोती	-	-	-	-	-	-
हिंग शुण मूलधन भुगतान	52,50,00,000.00	52,50,00,000.00	-	-	-	-
हिंग शुण फ्लाज भुगतान	14,56,59,770.00	5,60,89,474.00	-	-	-	-
परियोजना व्यय	-	-	-	-	-	-
परियोजना व्यय	18,70,015.00	2,55,310.00	-	-	-	-
अन्य उधार	-	-	-	-	-	-
एचएसएल लाइफेक्यर लिमिटेड (अमृत फार्मसी)	-	15,45,535.00	-	-	-	-
समीर शर्करा (अगदाय राशि)	-	50,000.00	-	-	-	-
एझे केश टीडीएम त्रिपुरानगरल	8,15,915.00	6,69,626.00	-	-	-	-
कर्मचारियों को एलटीसी अविसम	-	-	-	-	-	-
एचएसएल लिफ्ट के लिए	1,87,200.00	-	-	-	-	-
तश्ण प्रकाश माहितीरी	1,00,000.00	-	-	-	-	-
ज्ञानस्तो शुगतान	3,996.00	51,231.00	-	-	-	-
खेल और सारकृतिक व्यय	1,78	-	-	-	-	-
संस्थान अविसम शेष	-	-	-	-	-	-
हाथ में जगदी	-	-	-	-	-	-
मध्य खाता (SBI-37836546058)	51,12,90,164.28	26,55,70,387.28	-	-	-	-
टीडीएस खाता (SBI-38040069/13)	-	-	-	-	-	-
पावर्टी खाता (SBI-3919742/1390)	26,30,388.52	3,01,923.52	-	-	-	-
परियोजना खाता (SBI-33276861022)	21,45,143.00	34,94,690.00	-	-	-	-
निजी अन्दवान खाता (SBI-40071466833)	4,63,748.22	-	-	-	-	-
दान खाता (SBI-40071471559)	-	-	-	-	-	-
केन्द्र बैंक निवेद खाता	29,33,92,069.23	26,96,75,314.00	-	-	-	-
कंस	1,70,20,26,405.67	1,25,55,71,347.61	-	-	-	-
		1,70,20,26,405.67	1,25,55,71,347.61			

स्थान : रायबरेली
दिनांक :


(विशाल कमार)
लखा अधिकारी


(ओ. ओमप्रकाश)
ग्राम पालिका निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (3.प्र.)

31.03.2021 के अनुसार तलन पत्र का अनुसूची भाग

विवरण	चाल वर्ष	पिछला वर्ष	राशि (रुपये में)
	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची-1ए (आधारकृत निधि) वर्ष की शुरुआत में शेष राशि आधारभूत/मूल निधि में योगदान जोड़े जोड़े/कटौती: आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय/व्यय की शेष राशि	-	-	-
अनुसूची-1बी पंजीयी आस्तियों का क्रोध वर्ष की शुरुआत में शेष राशि मूल परिसंपत्ति निधि में योगदान जोड़े कम: आय और व्यय खाते से स्थानांतरित जमा	97,41,398.00 91,49,311.00 38,50,586.00	1,50,40,123.00	37,18,983.00 86,05,140.00 25,82,725.00
अनुसूची-1सी मूल परिसंपत्तियां डब्ल्यू.आई.पी. निधि - वर्ष की शुरुआत में शेष राशि कैपिटल एमेंट्स डब्ल्यूडब्ल्यूपी फंड (एमओएचएफडब्ल्यू) में योगदान जोड़े। कैपिटल एमेंट्स डब्ल्यूडब्ल्यूपी फंड (एमओएचएफडब्ल्यू) में योगदान जोड़े। (हेफा भ्रगतान) कैपिटल एमेंट्स डब्ल्यूडब्ल्यूपी फंड (एमओएचएफडब्ल्यू) में योगदान जोड़े। (हेफा ब्याज) नीआईए (पंजीयी) में योगदान जोड़े वर्ष के दौरान कम पूँजीकृत जोड़े/कटौती: आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय/व्यय की शेष राशि माह के अंत में शेष राशि (कूल 1ए से 1सी)	2,99,12,89,464.00 1,32,85,02,053.00 52,50,00,000.00 14,56,59,770.00 8,07,120.00 2,45,37,197.00	4,96,67,21,210.00	2,99,12,89,464.00 3,00,10,30,862.00
अनुसूची - 1ई पंजीयत परिसंपत्तियां एचएससीएचआईटीएस प्रारंभिक शेष वर्ष के दौरान अंतरण जोड़े घटाएं: मूल्यहास राशि अनुसूची 8 में अंतरण माह के अंत में शेष राशि (कूल 1डी) कूल (1ए से 1डी)	2,45,37,197.00 36,80,580.00	2,08,56,617.00 2,08,56,617.00 5,00,26,17,950.00	3,00,10,30,862.00

अखिल भारतीय आयूर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची भाग

विवरण	चाल वर्ष		पिछला वर्ष		राशि (रुपये में)
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	
अनुसूची-2 (आरक्षित और अधिशेष)					
1. आरक्षित पंजी					
पिछले खाते के अनुसार					
जोड़ : वर्ष के दौरान वृद्धि (भ्रमि का नाममात्र मूल्य)					
कम: वर्ष के दौरान कटौती					
वर्ष के अंत में शेष राशि	1.00		1.00		1.00
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व					
पिछले खाते के अनुसार					
जोड़ : वर्ष के दौरान वृद्धि					
कम: वर्ष के दौरान कटौती					
वर्ष के अंत में शेष राशि					
3. विशेष रिजर्व					
पिछले खाते के अनुसार					
जोड़ : वर्ष के दौरान वृद्धि					
कम: वर्ष के दौरान कटौती					
वर्ष के अंत में शेष राशि					
4. सामान्य आरक्षित					
पिछले खाते के अनुसार					
जोड़ : वर्ष के दौरान वृद्धि					
कम: वर्ष के दौरान कटौती					
वर्ष के अंत में शेष राशि					
कल (1 से 4)					1.00

अखिल भारतीय आयवित्त नान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 के अनुसार तळन पत्र का अनुमूली भाग

विवरण	चाल वर्ष		पिछला वर्ष		राशि (रुपये में)
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	
अनुमूली - 3 आरक्षित पंजी / अक्षय निधि					
I. वेतन के लिए सहायता अनुदान					
ए) निधियों का प्रारंभिक शेष	10,59,17,951.00	-	8,73,53,857.00	-	
बी) निधियों में वृद्धि:	20,00,00,000.00	-	11,00,00,000.00	-	
घटा: वर्ष के दोरान स्थापना व्यय (अनुमूली 20)	-16,64,35,360.00	13,94,82,591.00	-9,14,35,906.00	10,59,17,951.00	
II. सामान्य के लिए सहायता अनुदान					
ए) निधियों का प्रारंभिक शेष	9,01,45,971.48	-	2,01,20,316.81	-	
बी) निधियों में वृद्धि:	10,00,00,000.00	-	9,05,97,358.00	-	
सी) आंतरिक प्रार्द्ध/आय (अनु. 12+14+17+18)	1,42,06,287.64	-	2,15,88,788.48	-	
घटा: वर्ष के दोरान अस्पताल और प्रशासन व्यय (अनु. 21)	-6,53,10,384.64	13,90,41,874.48	-4,21,60,491.81	9,01,45,971.48	
III. पंजी निर्माण के लिए सहायता अनुदान					
ए) निधियों का प्रारंभिक शेष	6,69,17,162.00	-	5,07,22,302.00	-	
बी) निधियों में वृद्धि:	10,00,00,000.00	-	2,48,00,000.00	-	
जाँच: एम्स परियोजना में योगदान	-8,07,120.00	-	-	-	
घटा: वर्ष के दोरान पंजीगत व्यय (अनुमूली 8)	-85,22,259.00	15,75,87,783.00	-86,05,140.00	6,69,17,162.00	
IV. एसएपी के लिए सहायता अनुदान					
ए) निधियों का प्रारंभिक शेष	2,00,00,000.00	-	2,00,00,000.00	-	
बी) निधियों में वृद्धि:	-3,32,000.00	-	-3,32,000.00	-	
घटाएँ: वर्ष के दोरान उपभोग्य व्यय (अनुमूली 21)	-6,27,052.00	-	-6,27,052.00	-	
घटा: वर्ष के दोरान पंजीगत व्यय (अनुमूली 8)	1,90,40,948.00				
V. हेफा क्षण के लिए सहायता अनुदान (मल्धन)					
ए) निधियों का प्रारंभिक शेष	26,25,00,000.00	-	26,25,00,000.00	-	
बी) निधियों में वृद्धि:	52,50,00,000.00	-	52,50,00,000.00	-	
घटा: वर्ष के दोरान पंजीगत व्यय (अनुमूली 1 बी)	52,50,00,000.00	26,25,00,000.00	52,50,00,000.00	26,25,00,000.00	
V. हेफा क्षण के लिए सहायता अनुदान (ब्याज)					
ए) निधियों का प्रारंभिक शेष	18,42,90,901.00	-	5,60,89,464.00	-	
बी) निधियों में वृद्धि:	14,56,59,770.00	-	5,60,89,464.00	-	
घटा: वर्ष के दोरान पंजीगत व्यय (अनुमूली 1 बी)		3,86,31,131.00			
कुल (I+II+III+IV+V+VI)			75,62,84,327.48		52,54,81,084.48

अधिकाल भारतीय अध्याविज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प.)						
31.03.2021 के अनुसार तलन भाग का अनुसूची भाग						
अनुसंधानी 3(VII) - परियोजना खाता						
परियोजनाएँ						
प्रयोजक प्राप्तिकारी	01.04.2020 के	पावरटी	कुल	व्यय	राशि (मुद्र्य में)	31.03.2021 के
अनुसार शेष राशि	अनुसार शेष राशि				अनुसार शेष राशि	
जीएपी-डीएचआर-19-001	मानव संसाधन और क्षमता विकास	19,92,658.00	-	19,92,658.00	16,48,144.00	3,44,514.00
जीएपी-एसईआरपी-19-002	विज्ञान और अधिकार्याचिक अनुसंधान बोर्ड	14,68,552.00	4,00,000.00	18,68,552.00	6,91,182.00	11,77,370.00
कुल	34,61,210.00	4,00,000.00	38,61,210.00	23,39,326.00	23,39,326.00	15,21,884.00
अनुसूची-3 का कुल	52,89,42,294.48				75,78,06,211.48	

अखिल भारतीय आयाविज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची भाग

विवरण	चाल वर्ष	राशि (रुपये में)
विवरण	रुपये	रुपये
अनुसूची - 4 <u>(अमरकृष्ण और उधार)</u>		
1) केंद्र सरकार	-	-
2) राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3) वित्तीय संस्थान	-	-
4) सावधी ऋण (हेफा ऋण) बी) उपचित ब्याज और देय 5) अन्य संस्थान और एजेंसिया	1,78,54,40,527.00	1,71,04,40,527.00
5) डिबंगर और बांड	-	-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	1,78,54,40,527.00	1,71,04,40,527.00
अनुसूची-5 <u>(अमरकृष्ण ऋण और उधार)</u>		
1) केंद्र सरकार	-	-
2) राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3) वित्तीय संस्थान	-	-
4) बैंक	-	-
ए) सावधी ऋण बी) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-
5) अन्य संस्थान और एजेंसिया	-	-
6) डिबंगर और बांड	-	-
7) मीथादी जमा	-	-
8) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल		

अखिल भारतीय आचारितान संस्थान, रायबरेली (उ.प.)

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची आग

				राशि (रुपये में)	
		विवरण	रुपये	चाल वर्ष	रुपये
अनुसूची - 6 (आस्थागित ऋण देखताए)					
ए) पंजीयन उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों का हाजिरबंधक द्वारा स्वीकृति सुरक्षित किया गया। बी) अन्य			-	-	-
		कुल			
अनुसूची - 7 (वर्तमान देखताए और प्रावधान)					
ए. चाल देखताए					
1. स्वीकृति					
2. विविध लेनदार		ए) सामान के लिए	-	-	-
बी) अन्य					
3. अधिक प्राप्त (कृष्णा इनप्राइज)					
4. अतित छान लेनका देय नहीं					
ए) सुरक्षित कण/उधार बी) असुरक्षित कण/उधार		3,86,31,132.00	3,86,31,132.00	2,77,84,216.00	2,77,84,216.00
5. वैधानिक दावित-					
ए) अतिदेय					
बी) अन्य टीडीएस 92वी, 92सी और जीएसटी-टीडीएस		3,26,363.00	3,26,363.00	3,09,831.00	3,09,831.00
6. अन्य चाल देखताए					
ए) प्रतिभृति और जमा राशि		60,894.00	60,894.00	39,294.00	39,294.00
बी) सुरक्षा थल्क (प्रतिदेय)		2,40,000.00	2,40,000.00	80,000.00	80,000.00
सी) छान थल्क देय		70,272.00	70,272.00	58,560.00	58,560.00
दी) खन और सांस्कृतिक गतिविधियाँ		5,63,748.22	5,63,748.22	1,57,54,088.96	1,57,54,088.96
ई) हफा सीएलटीडी ब्याज		3,21,19,474.23	3,30,54,388.45		
कुल (अ)			7,20,11,883.45		4,40,39,087.96
दी) प्रावधान					
1. कराधान के लिए		35,49,354.00	35,49,354.00	52,36,300.00	52,36,300.00
2. उपदान					
3. सेवानिपत्रित/ उपदान		1,14,71,130.00	1,14,71,130.00	58,11,428.00	58,11,428.00
4. सचित भूवकार नगदीकरण					
5. व्यापार वारदातावा					
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)					
ए) वेतन देय (अनुबंध-1 के अनुसार) बी) व्यय देय (अनुबंध-1 के अनुसार) सी) एनएसटीएस		1,54,57,345.00 1,26,77,175.00 21,08,686.00	1,54,57,345.00 1,26,77,175.00 4,52,63,690.00	74,51,965.00 31,17,184.00 9,48,551.00	74,51,965.00 31,17,184.00 9,48,551.00
कुल (ब)			4,52,63,690.00		2,25,65,428.00
कुल (अ+ब)					6,66,04,515.96
			11,72,75,573.45		

अखिल भारतीय आय्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)
31.03.2021 के अन्सार तलन पत्र का अनुसूची भाग

अनुसूची - ४ अन्सार परिसंक्षिप्त

गणि (मात्रों में)

विवरण	वर्ष की शुरुआत में लगत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्तन 6 माह पूर्व	6 माह बाद	सकल बुद्धि	वर्ष के अंत में लगत/मूल्यांकन	% वर्ष की शुरुआत में वर्ष के दौरान जड़ते पर	सन्दर्भ हस्त	विवरण खण्ड	
								वर्ष के दौरान जड़ते कटौती पर	वर्ष के अंत तक कुल चालू वर्ष के अंत तक
ए.) अन्सार परिसंक्षिप्तिया									पूर्व वर्ष के अंत तक
1. आमि	1.00	-	-	-	1.00	-	-	-	1.00
2. इमारतें	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. अस्पताल उपकरण	14,32,737.00	7,29,444.00	9,19,957.00	-	30,82,138.00	15	1,31,202.00	3,73,644.00	5,04,846.00
4. वाहनों	10,20,896.00	-	38,11,340.00	48,32,236.00	15	4,13,463.00	3,76,465.00	-	7,90,428.00
5. फर्मिचर, फिक्स्चर	13,64,022.00	-	73,653.00	-	14,57,675.00	10	1,76,449.00	1,24,390.00	3,01,339.00
6. कार्यालय उपकरण	25,30,211.00	2,16,549.00	1,81,653.00	-	29,28,413.00	15	3,96,978.00	3,66,091.00	7,63,069.00
7. काम्प्यटर/सहायक उपकरण	63,27,991.00	8,46,515.00	23,70,200.00	-	95,44,706.00	40	19,85,452.00	25,49,662.00	45,35,114.00
8. प्रस्त्रकालय प्रस्त्रके	1,86,980.00	-	-	-	1,86,980.00	40	37,396.00	59,334.00	97,230.00
कुल	1,28,82,838.00	17,92,508.00	73,56,803.00	-	2,20,32,149.00	-	31,41,440.00	38,50,586.00	69,92,026.00
बै.) अन्सार परिसंक्षिप्तिया - एवासमीसी/एचआईडीएस									97,41,398.00
3. अस्पताल उपकरण	-	2,45,37,197.00	-	-	2,45,37,197.00	15	-	36,80,580.00	2,08,56,617.00
कुल	-	2,45,37,197.00	-	-	2,45,37,197.00	15	-	36,80,580.00	2,08,56,617.00
चालू वर्ष का कुल	1,28,82,838.00	2,63,29,705.00	73,56,803.00	-	4,65,69,346.00	-	31,41,440.00	75,31,166.00	1,06,72,606.00
सिवाय वर्ष	0.00	0	0	0	0.00	0.00	0.00	0	0.00
कार्यप्रगति पर पंजी	4,36,95,14,217.00	0.00	1,15,60,29,215.00	2,45,37,197.00	5,50,10,06,235.00	-	-	-	5,50,10,06,235.00
कुल	4,38,23,97,055.00	2,63,29,705.00	1,16,33,86,018.00	2,45,37,197.00	5,54,75,581.00	31,41,440.00	75,31,166.00	-	1,06,72,606.00
									5,53,69,02,975.00
									4,37,92,55,615.00

अखिल भारतीय आयूर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)																																
31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची भाग																																
	राशि (रुपये में)																															
विवरण	<table border="1"> <thead> <tr> <th>चालू वर्ष</th> <th>पिछला वर्ष</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>रुपये</td> <td>रुपये</td> </tr> </tbody> </table>	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	रुपये	रुपये																											
चालू वर्ष	पिछला वर्ष																															
रुपये	रुपये																															
<u>अनुच्छेद - 9</u> <u>(निर्धारित/ अक्षय निधि से निवेश)</u>	<table border="1"> <thead> <tr> <th>सरकारी प्रतिभूतियों में</th> <th>अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ</th> <th>हिस्सेदारियाँ</th> <th>डिबंचर और बांड</th> <th>सहायक और संयुक्त उद्यम</th> <th>अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)</th> <th>कुल</th> <th>अनुसूची - 10 (निवेश अन्य)</th> <th>सरकारी प्रतिभूतियों में</th> <th>अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ</th> <th>हिस्सेदारियाँ</th> <th>डिबंचर और बांड</th> <th>सहायक और संयुक्त उद्यम</th> <th>अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)</th> <th>कुल</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>- - - - -</td><td>- - - - -</td></tr> </tbody> </table>	सरकारी प्रतिभूतियों में	अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	हिस्सेदारियाँ	डिबंचर और बांड	सहायक और संयुक्त उद्यम	अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)	कुल	अनुसूची - 10 (निवेश अन्य)	सरकारी प्रतिभूतियों में	अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	हिस्सेदारियाँ	डिबंचर और बांड	सहायक और संयुक्त उद्यम	अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)	कुल	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -
सरकारी प्रतिभूतियों में	अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	हिस्सेदारियाँ	डिबंचर और बांड	सहायक और संयुक्त उद्यम	अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)	कुल	अनुसूची - 10 (निवेश अन्य)	सरकारी प्रतिभूतियों में	अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	हिस्सेदारियाँ	डिबंचर और बांड	सहायक और संयुक्त उद्यम	अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए)	कुल																		
- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -	- - - - -																	

अखिल भारतीय आयोविज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 के अन्तमान तक पन का अनुसूची भाग

				राशि (रुपय में)
विवरण		चाल वर्ष	पिछला वर्ष	
		रुपय	रुपय	रुपय
अनुसूची - 11 (वर्तमान आस्तियां, क्रण, अधिक्षम आदि)				
अ. चाल आस्तेया				
1. वस्तु सूची	11,56,070.00	-	6,52,769.00	
अ. भड़ार और पूजे	-	-	-	
ब) खला औंजार	-	-	-	
c) भड़ार माल	-	-	-	
तेयर माल	-	-	-	
कार्य प्रगति में	-	-	-	
कच्चा माल	-	-	-	
2. विविध देनदार				
अ) एक अवधि के लिए बकाया क्रण	-	-	-	
छह महीने से अधिक	-	-	-	
ब) अन्य	-	-	-	
3. हाथ में नगदी शेष				
(चेक/ ड्राफ्ट और अदाय सहित)				
4. खाता शेष				
अ) अनुसारित बैंकों के साथ:				
-चाल खाते में				
एसबीआई पावती खाता -39197421390	26,30,388.52		3,01,923.52	
एसबीआई चाल खाता - 37836546058	51,12,90,164.28		26,55,70,387.28	
केनरा बैंक निलब खाता - (015)	29,33,92,069.23		26,96,75,314.00	
एसबीआई परियोजना खाता - 382276861022	21,45,143.00		34,94,690.00	
एसबीआई निझो अन्दान - 40071466833	4,63,748.22		-	
-जमा खाते में	-		-	
(सार्वजन राशि सहित)				
-जमा खाते में	80,99,21,513.25		53,90,42,314.80	
ब) गैर-अनुसारित बैंकों के साथ:				
-चाल खाते में	-	-	-	
-जमा खाते में	-	-	-	
-बचत खाते में	-	-	-	
5. डाक घर - बचत खाते				
कूल (अ)	81,10,77,583.25		53,96,95,083.80	

अखिल भारतीय आयविज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 के अनुसार तलत पन का अनुमती भाग

विवरण	चाल वर्ष		पिछला वर्ष		राशि (रुपये में)
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	
अनुसधो - 11 (बतेसान आसानतया, कृष्ण, आग्रह आद)					
ब. आग्रहम ऋण और अन्य आसानतया					
1. कृष्ण					
अ) कर्मचारी					
ब) इकाई के समान गतिविधयों/उद्देश्यों में सलवन अन्य संस्थाएँ					
स) अन्य (निर्दिष्ट करें)					
2. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वस्तुओं योग्य अधिकारी और अन्य राशि					
अ) पूँजी खाते में	8,15,915.00		7,16,928.00		
ब) भूगतन	1,28,99,73,834.00		36,00,00,000.00		
स) बीएसएनएल को अधिकारी	1,14,331.00		16,23,415.00		
द) एचएससीसी					
इ) अन्य					
3. उपचित व्याज					
अ) निधारित / बदोबस्ती से निवेश पर निधि					
ब) निवेश पर - एसबीआई सौएलटीडी व्याज	2,12,47,554.68		1,54,53,588.68		
स) निवेश पर - केनरा बैंक सौएलटीडी व्याज			85,78,774.96		
ड) कृष्ण और अधिकारी पर					
इ) अन्य					
(अप्राप्त देय आय शामिल है-रु)					
4. प्राप्त दावे					
अ) टीसौएस	17,321.00		-		
ब) सौएलटीडी व्याज पर टीडीएस	29,90,749.00	30,08,070.00	16,94,795.00		16,94,795.00
कृल (ब)					
कृल (अ+ब)					
कृल (अ+ब)	1,31,51,59,704.68				38,80,67,501.64
	2,12,62,37,287.93				92,77,62,585.44

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आय और व्यय घटता का अनुसूची बनाना आवा

विवरण	चालू वर्ष रुपये	पिछला वर्ष रुपये	राशि (रुपये में)
अनुसूची - 12 (बिक्री सेवाओं से आय)			
1. बिक्री से आय	-	-	-
अ) टैचार माल की बिक्री	-	-	-
ब) कच्चे माल की बिक्री	-	-	-
स) निफूपयोगी वस्तुओं की बिक्री	-	-	-
2. सेवाओं से लाभ	4,23,175.00	4,23,175.00	31,42,535.00
अ) पंजीकरण शुल्क और लेब परीक्षण शुल्क	-	-	-
ब) व्यवसायिक/परामर्श सेवा	-	-	-
स) एजेंसी कमीशन और दलाली	-	-	-
ड) रखरखाव सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	-	-	-
इ) अन्य	-	-	-
कुल	4,23,175.00	4,23,175.00	31,42,535.00
अनुसूची- 13 (अनुदान/आर्थिक सहायता)			
(अ-वस्तीय अनुदान और प्राप्त आर्थिक सहायता)			
1. केंद्र सरकार -			
अ) सहायता अनुदान (वेतन के लिए)	16,64,35,360.00	9,14,35,906.00	9,14,35,906.00
ब) सहायता अनुदान (सामान्य के लिए)	5,11,04,097.00	2,05,71,703.33	2,05,71,703.33
स) सहायता अनुदान (पूँजीगत आस्तियाएँ/एमएपी सज्जन पर मूल्यहास)	75,31,166.00	25,82,725.00	25,82,725.00
ड) सहायता अनुदान (सामान्य एसएपी)	3,32,000.00	-	-
2. राज्य सरकार			
3. सरकारी एजेंसियां (परियोजना)	-	-	-
4. संस्थाएं/कल्याण निकाय	-	-	-
5. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-
कुल	22,54,02,623.00	11,45,90,334.33	
अनुसूची- 14 (शुल्क/सदस्यता)			
1. एमबीबीएस शुल्क	4,55,200.00	2,12,800.00	2,12,800.00
2. भर्ती आवेदन शुल्क	8,95,609.64	3,45,390.48	3,45,390.48
3. अन्य			
कुल	13,50,809.64	5,58,190.48	

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)					
31.03.2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आय और व्यय खाता का अनुसूची बनाना भाग					
विवरण	अक्षय निधि से निवेश		अक्षय निधि से निवेश		राशि (रुपये में)
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची- 15 (निवेश से आय)					
1. ब्याज	-	-	-	-	
अ) सरकारी प्रतिशतीयों पर	-	-	-	-	
ब) अन्य बांड / डिब्बेचर पर	-	-	-	-	
2. लाभांश	-	-	-	-	
अ) शेयरों पर	-	-	-	-	
ब) पारस्परिक निधि प्रतिशतीयों पर	-	-	-	-	
3. किराया	-	-	-	-	
4. अन्य निवेश करें	-	-	-	-	
	कुल				
अनुसूची- 16 (रंगलटी, प्रकाशन आदि से आय)					
2. प्रकाशनों से आय	-	-	-	-	
2. प्रकाशनों से आय	-	-	-	-	
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	
	कुल				

अखिल भारतीय आयविज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प.)

31.03.2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का अनुसूची बनाना शाग

विवरण		राशि (रुपये में)	
		चाल वर्ष	पिछला वर्ष
		रुपये	रुपये
अनुसूची- 17 (अर्जित व्याज)			
1. सावधि जमा पर			
अ) शारीय स्टेट बैंक	i) प्राप्त व्याज	12,68,171.32	12,68,171.32
ii) उपचित व्याज		1,56,78,401.68	
b) अन्य बैंक	i) प्राप्त व्याज	-	-
ii) उपचित व्याज		-	-
स) गैर-अनुसूचित बैंक से		-	-
द) संस्था से		-	-
इ) अन्य		-	-
2. बचत खाते पर			
अ) अनुसूचित बैंक से		-	-
ब) गैर-अनुसूचित बैंक से		-	-
द) संस्था से		-	-
इ) अन्य		-	-
3. कृषा पर			
क) कर्मचारी/कर्मचारी		-	-
ख) अन्य		-	-
4. देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर व्याज		-	-
	कुल	1,16,28,119.00	1,16,28,119.00
अनुसूची- 18 (अन्य अर्जन)			
क) जमानती बांड वस्ती		1,00,000.00	4,00,000.00
ख) ग्रेस्ट हाउस का किनाया		66,100.00	66,900.00
ग) लाइसेंस शुल्क		5,51,984.00	3,33,051.00
घ) किराए की रसीद		11,100.00	1,33,200.00
ड) आयकर रिफँड पर व्याज		75,000.00	8,029.00
च) परियोजना पर ओवरहेड प्रधार		-	-
छ) विविध प्रधार		8,04,184.00	310.00
	कुल	8,04,184.00	9,41,490.00
			9,41,490.00

अखिल भारतीय आयविज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प.)

31.03.2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का अनुसूची बनाना शाग

राशि (रुपये में)

विवरण	चाल वर्ष		पिछला वर्ष	राशि (रुपये में)
	रुपये	रुपये		
अनुसूची- 19 (तैयार माल के स्टॉक में बुद्धि/कमी और कार्य प्रगति पर है)				
क) आखरी बचा हुआ माल तैयार माल कार्य प्रगति पर है	-	-	-	-
छ) कम: आरंभिक स्टॉक तैयार माल कार्य प्रगति पर है	-	-	-	-
शुद्ध बुद्धि/कमी (का-व्य)				
अनुसूची- 20 (स्थापना व्यय)				
अ. वेतन और मजदूरी आ. भूता और बोनस इ. नियोक्ता योगदान (एनपीएस) ई. अन्य निधियों को योगदान (निर्दिष्ट करें)	13,60,04,340.00 2,03,51,348.00 1,00,79,672.00		7,26,19,043.00 1,36,55,952.00 51,60,911.00	
उ. कर्मचारी कल्याण व्यय ऊ. कर्मचारी सेवानिवृत्ति और अंतिम लाभ पर व्यय ऋ. अन्य (निर्दिष्ट करें)			-	-
कुल			16,64,35,360.00	9,14,35,906.00

अखिल भारतीय आयर्विजान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आय और व्यय खाता का अनुसूची बनाना आग

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	राशि (रुपये में)
अनुसूची - 21	रुपये	रुपये	
आ) अस्पताल व्यय			
इस और डेसिन एक्स-रे फिल्म सर्जिकल सामान रासायनिक उपक्रम्य सामान काच/प्लास्टिक के बने समान कपड़े धोने और सीएसएसई अस्पताल उपक्रम्य	10,01,237.00 66,353.00 28,970.00 13,31,908.00 98,676.00 15,794.00 7,89,840.00	7,38,715.00 4,82,376.00 2,22,807.00 22,17,511.00 5,20,764.00 16,671.00 6,16,810.00	
आ) प्रशासनिक व्यय आदि			
आधिकारिक यात्रा व्यय सम्मेलन-यात्रा व्यय स्थानीय परिवहन/वाहन/रोगी वाहन व्यय विद्युत और बिजली बिल विद्युत और बिजली-डीजी सेट ईधन जल प्रभार टेलीफोन और इंटरनेट व्यय विभाग की आकस्मिकता गदण और स्टेशनरी वैधानिक पंजीकरण व्यय बायोमेडिकल अपशिष्ट व्यय आक्टसोर्स मैनपैवर सामान्य उपक्रम्य स्टोर सरक्मत और रखरखाव (विद्युत) सरक्मत और रखरखाव (सिविल) सरक्मत और रखरखाव (आरएसी) डाक अखबार/विज्ञापन/पत्रिका व्यय विज्ञापन और पत्रिका व्यय बत्ती व्यय गेस्ट हाउस/जीवाईएम/छात्रावास व्यय सरक्मत और रखरखाव कंप्यूटर / संचार / सॉफ्टवेचर	6,23,126.00 1,61,003.00 7,05,675.00 1,48,13,827.00 10,27,554.00 - 17,21,431.00 6,85,979.64 5,80,411.00 3,44,880.00 90,472.00 3,55,93,695.00 9,22,222.00 9,26,048.00 8,00,033.00 84,507.00 6,101.00 15,912.00 2,85,701.00 9,42,220.00 - 5,84,009.00 5,71,325.00 4,73,819.00 - 1,22,537.00 2,17,58,960.00 2,90,876.81 88,779.00 3,95,251.00 11,151.00 5,967.00 9,936.00 2,17,473.00 - 3,84,887.00 20,37,816.00	10,62,902.00 52,068.00 10,33,985.00 66,97,745.00 15,45,351.00 - - 5,71,325.00 4,73,819.00 - 1,22,537.00 2,17,58,960.00 2,90,876.81 88,779.00 3,95,251.00 11,151.00 5,967.00 9,936.00 2,17,473.00 - 3,84,887.00 20,37,816.00	
			कुल
			6,56,42,384.64
			4,21,60,491.81

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.)

31.03.2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आय और व्यय खाता का अनुसूची बनाना भाग

विवरण	वित्तीय वर्ष		पिछला वर्ष
	चालू वर्ष	कृपया	
अनुसूची- 22 (अनुदान, सभिसडी आदि पर व्यय)			
अ. संस्थान/संगठन को दिया गया अनुदान	0	0	
ब. संस्थान/संगठन को दी जाने वाली सभिसडी	-	-	
अनुसूची- 23 (व्याज)	कूल		
अ. निश्चित ऋण पर	-		
ब. अन्य ऋण पर (बैंक प्रधार सहित)	-		
स. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-		
	कूल		

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प.)
प्रावधान (अनुसूची 7. ख का भाग)

अनुबंध-1

राशि (रुपये)

क्र. स.	पार्टी का नाम	31-03-2021 को शेष राशि	31-03-2020 को शेष राशि
1	छही भुनाला	-	1,14,71,130.00
2	उपदान		35,49,354.00
3	वेतन देय	-	1,54,57,345.00
4	व्यय देय		
क	टेलीफोन प्रतिपूर्ति	2,24,973.00	1,17,870.00
ख	बिजली बिल	29,51,599.00	5,47,616.00
ग	आउटसोर्स कर्मचारी	72,65,864.00	23,51,581.00
घ	स्थानीय परिवहन/वाहन व्यय	15,07,283.00	-
ड	टेलीफोन और इंटरनेट	1,21,819.00	56,637.00
च	बायोमेडिकल अपशिष्ट का खर्च	-	10,000.00
छ	शिक्षण संसाधन भत्ता	1,02,846.00	
ज	परियोजना व्यय	4,69,311.00	
झ	परियोजना कर्मचारी वेतन	33,480.00	33,480.00
ञ	एनएसडीएल एनपीएस	21,08,686.00	1,47,85,861.00
	कुल		9,48,551.00
			40,65,735.00
			2,25,65,428.00

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों का विवरण

परिचय:

अनुसूची-24

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में एक केंद्रीय स्वायत्त निकाय है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (उ.प्र.) की स्थापना के लिए 13 अगस्त 2013 को एक राजपत्र अधिसूचना जारी की गई थी। एम्स, रायबरेली की स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश की सरकार ने पहले ही सहमत 148 एकड़ भूमि में से 97.69 एकड़ भूमि को हस्तांतरित कर दिया।

पी.जी.आई चंडीगढ़ एम्स, रायबरेली का संरक्षक संस्थान है और यहां अस्थायी ओ.पी.डी. 13 अगस्त 2018 से शुरू की गई है।

1. लेखा अभिसमय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली के लेखा विभाग की पुस्तकों का रखरखाव लेखांकन के आकस्मिक आधार पर किया गया है।

2. सूची मूल्यांकन

संस्थान की वस्तुसूची अर्थात् भंडार और पूर्जों के उपभोग्य सामग्रियों (रसायन, अस्पताल में उपभोज्य, सामान्य उपभोज्य स्टोर, प्रिंटिंग और स्टेशनरी, ड्रग्स और ड्रेसिंग) इत्यादि के कीमत का मूल्यांकन किया गया है।

3. स्थाई परिसंपत्तियां

3.1 स्थाई परिसंपत्तियां अधिग्रहण की ऐतिहासिक लागत, आवक माल ढुलाई, कर्तव्यों और करों को शामिल करने और अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक खर्चों पर शुरू किए जाते हैं। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय (इसके पूरा होने से पहले विशिष्ट परियोजना के लिए ऋण पर ब्याज सहित) पूंजीकृत पूंजीगत मूल्य का हिस्सा बनते हैं।

3.2 गैर-मौद्रिक अनुदान (कॉर्पस फंड की ओर के अलावा) के माध्यम से प्राप्त स्थाई परिसंपत्तियों को पूंजीगत रिजर्व के लिए इसी क्रेडिट द्वारा शुरू किए गए मूल्यों पर पूंजीकृत किया जाता है।

4. मूल्यहास

- 4.1 डब्ल्यू.डी.वी. के अनुसार लेखा विभाग की पुस्तकों में मूल्यहास प्रदान किया गया है। निर्दिष्ट तरीके और दरें आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार हैं।
- 4.2 वर्ष के दौरान संपत्तियों को जोड़ने / हटाने के संबंध में, दर के आधे हिस्से पर शुल्क लिया जाता है, जहां जोड़ / विलोपन छह महीने से कम होता है और जहां अवधि छह महीने से अधिक हो जाती है वहाँ मूल्यहास की पूरी दर वसूल की जाती है।

5. सेवानिवृत्ति लाभ

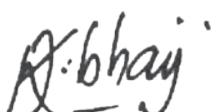
कर्मचारी को संचित अवकाश नकदीकरण लाभ के लिए प्रावधान की गणना की जाती है और यह अनुमान लगाया जाता है कि कर्मचारी प्रति वर्ष के अंत में लाभ प्राप्त करता है।

स्थान: रायबरेली

दिनांक: 29/06/2021


(विशाल कुमार)

लेखाधिकारी


(कुमार अभय, आईएएस)
वित्तीय सलाहकार


(प्रो. अरविंद राजवंशी)
अधिशासी निदेशक

आकस्मिक देयताएं और खातों की टिप्पणियां

अनुसूची - 25

1. आकस्मिक देयताएं

संस्थान के पास कोई भी दावों, बैंक प्रत्याभूति, ऋण पत्र, बिल छूट विवादित मांग आदि के प्रति कोई आकस्मिक देनदारियां नहीं हैं।

2. अनुदान में सहायता

सरकारी अनुदान का वसूली के आधार पर हिसाब लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, संस्थान को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पीएमएसएसवाई विभाग से 40.00 करोड़ रुपये की कुल अनुदान सहायता प्राप्त हुई है। कुल अनुदान रुपये में से 20.00 करोड़ रुपये जी.आई.ए. वेतन के तहत, 10.00 करोड़ रुपये जी.आई.ए. जनरल के तहत और 10.00 करोड़ रुपये जी.आई.ए.-पूंजी के तहत प्राप्त हुए।(अनुसूची 3 देखें)

(करोड़ में)

जीआईए शीर्ष	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21
वेतन	12.00	11.00	20.00
जनरल	3.96	9.06	10.00
पूंजी	5.50	2.48	10.00

3. निवेश और जमा

चालू खाता में उपलब्ध निधि को कॉर्पोरेट लिकिवड टर्म डिपॉजिट (सी.एल.टी.डी.) प्रणाली में रखा जाता है।

4. अर्जित ब्याज, लेकिन अदेय

31.03.2021 के अनुसार ब्याज अर्जित हुआ लेकिन एफडीआरएस पर 2,12,47,554.68 रुपये अदेय है।(अनुसूची 11.बी.3. देखें)

5. कराधान

आयकर अधिनियम 1961 के तहत कर उचित आय के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है। संस्थान आयकर अधिनियम 1961 के यू.एस.12ए.ए. को पंजीकरण संख्या सी.आई.टी. लखनऊ/12एए/2019-20/ए/10496 दिनांक 30/01/2020 एवं 80जी पंजीकरण संख्या सी.आई.टी. छूट लखनऊ/2020-21/80जी/10613 द्वारा पंजीकृत है।

6. व्यय देय

31.03.2021 के अनुसार 4,52,63,690.00 रुपए की देय राशि के लिए प्रावधान किया गया है। (अनुसूची 7 (आ) देखें)

7. वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम

वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम को वास्तविक लेनदेन के आधार पर तुलन-पत्र में बताया गया है।

8. अंशदायी भविष्य निधि खाता (नई पेंशन योजना)

सन्दर्भ संख्या 1 (13) / ईवी / 2001 दिनांक 13 नवम्बर 2003 के अनुसार, संस्थान नई पेंशन योजना के अंतर्गत आता है। तदनुसार, संस्थान ने पीआर. एओ./डीडीओ सं. नियोक्ता और कर्मचारी योगदान के नियमित बयान के लिए आवेदन किया है।

9. सुरक्षित ऋण और उधार

हेफा द्वारा संबंधित 525 करोड़ रुपए का टर्म लोन संदर्भ सं. एसएएन / एम्स/रायबरेली/338 / 2018-19 दिनांक 08/01/2019, हेफा और एम्स, रायबरेली के बीच दिनांक 18/02/2019 को एक समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था।

वित्तीय वर्ष	निधि एचएससीसी को संवितरित	मूलधन चुकाया	ब्याज
2018-19	47.00	-	-
2019-20	176.54	52.50	5.61
2020-21	60.00	52.50	14.56

10. सेवानिवृत्ति और अन्य कर्मचारियों को लाभ

एएस-15 कर्मचारी हितलाभ के अनुसार बीमांकिक आधार पर अवकाश नकदीकरण एवं उपदान का दायित्व प्रदान किया गया है।

11. पूँजी निधि (दान आदि)

वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, दान के रूप में शून्य रूपये प्राप्त हुए हैं।

12. विदेशी मुद्रा लेनदेन

वर्ष के दौरान संस्थान ने किसी भी विदेशी मुद्रा लेनदेन में प्रवेश नहीं किया है।

13. स्थाई परिसंपत्तियाँ

मंत्रालय द्वारा निष्पादित पूँजीगत परिसंपत्तियों / निर्माण कार्य को खातों के लेखा परीक्षित विवरण प्राप्त होने पर पूँजीकृत किया जाएगा। समिति की सिफारिश और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर पूँजीगत इमारतों / भवनों का पूँजीकृत किया जाएगा। हालाँकि, इसे अनुसूची-8 में कार्य प्रगति के तहत माना गया है।

14. उत्तर प्रदेश की सरकार ने 97.69 एकड़ जमीन आवंटित की है और इसे 1.00 रु. आरक्षित निधि (अनुसूची-2) (1) बनाते समय निर्धारित मूल्य (अनुसूची-8) में दिखाया गया है।
15. 31.03.2021 के अनुसार अनुसूची 1 से 25 तक शेष राशि तुलन-पत्र का एक अभिन्न हिस्सा है और उस वर्ष के लिए आय और व्यय का खाता उसी दिनांक को समाप्त हो जाता है।

स्थान: रायबरेली

दिनांक: 29/06/2021

(विशाल कुमार)
लेखाधिकारी

(कुमार अभय, आईएएस)
वित्तीय सलाहकार

(प्रो. अरविंद राजवंशी)
अधिशासी निदेशक

“प्रस्तुत लेखे मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित वार्षिक लेखे 2020–21 का हिन्दी अनुवाद है।
यदि इनमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित लेखे मान्य होंगे।

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ,
शाखा कार्यालय - प्रयागराज



INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit (Central) Lucknow,
Branch Office - Prayagraj

पत्र संख्या: म०नि०ले०प० (केन्द्रीय) / पृ.ले.प.-०५ / २०२१-२२ /

दिनांक : २५.१०.२०२१

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग,
निर्माण भवन, नई दिल्ली-110001

विषय : भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान, रायबरेली के वर्ष 2020-21 के लेखों पर आधारित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान, रायबरेली के वर्ष 2020-21 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) तथा वार्षिक लेखे की प्रति अग्रसारित की जा रही है।

2. कृपया सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बन्धित लेखे संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत हुए।
3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखों को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अन्तिम रूप-से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ-साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्नक: उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

पत्र संख्या: म०नि०ले०प० (केन्द्रीय) / पृ.ले.प.-०५ / २०२१-२२ / ८६

दिनांक : २५.१०.२०२१

वर्ष 2020-21 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान, मुन्शीगंज रायबरेली -229405 को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे, तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए :

“प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।”

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नक: उपर्युक्तानुसार।

निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली के लेखा विभाग के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की अलग-अलग लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली (संस्थान) की संलग्न तुलन-पत्र 31 मार्च 2021 के अनुसार आय और व्यय, उपार्जित और प्राप्तियां तथा भुगतान खाता का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अधिनियम (कर्तव्यों, शक्तियाँ और कर्तव्य की शर्तें) 19 (2) के तहत, एम्स अधिनियम, 1956 (संशोधन 2012) की धारा 18 (2) के आधार पर उस समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षा किया है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधक की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस अलग लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में वर्गीकरण के संबंध में केवल उपचार, सर्वोत्तम लेखा अभ्यासों, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के अनुरूप अभियोग उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) तथा दक्षता सह प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा अवलोकन, यदि कोई हो, तो निरीक्षण प्रतिवेदन / सीएजी की लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से अलग से प्रतिवेदन की जाती है।

3. हमने अपना लेखा परीक्षा आम तौर पर भारत में स्वीकार किए गए लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम वित्तीय विवरणों को सामग्री के गलत विवरणों से मुक्त करने के लिए उचित आश्वासन प्राप्त करने हेतु योजना बनाएं और लेखा परीक्षा करें। एक लेखा परीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय वक्तव्यों में मात्रा और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले सबूत शामिल हैं। लेखा परीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारा लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करता है।

4. हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर, हम प्रतिवेदन करते हैं कि:

- (i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सबसे अच्छा था;
- (ii) तुलन-पत्र, आय और व्यय खाते तथा रसीदें और भुगतान खाते इस प्रतिवेदन के साथ वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।
- (iii) हमारी राय में, एम्स अधिनियम 1956 (संशोधन 2012) की धारा 18 (1) के तहत आवश्यक सभी प्रकार के खातों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों की उचित पुस्तकों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली द्वारा बनाए रखा गया है।

(iv) हम आगे बताते हैं कि :

सहायता अनुदान

संस्थान को वर्ष 2020-21 के दौरान 112.93 करोड़ रुपये अनुदान में सहायता से प्राप्त हुईं और आंतरिक स्रोतों से 1.42 करोड़ की आय हुई। 52.54 करोड़ की शेष राशि के साथ कुल धनराशि 166.89 करोड़ हो गई। संस्थान ने 31 मार्च 2021 तक 75.62 करोड़ रुपये की शेष राशि को छोड़कर 91.27 करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया।

- (v) पूर्ववर्ती अनुच्छेद में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम प्रतिवेदन करते हैं कि तुलन-पत्र, आय और व्यय, जमा और रसीद तथा इस खाते के द्वारा किए गए भुगतान लेखा विभाग की खातों के साथ अनुबंध में हैं।
- (vi) हमारी राय में और हमारी जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखा नीतियों और खातों पर एक साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों के अधीन होते हैं और इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामले भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष घटिकोण देते हैं;
- (अ) अब तक यह सभी मामलों की स्थिति अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली की तुलन-पत्र 31 मार्च 2021 तक से संबंधित है और
- (आ) अब तक, यह उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए न तो घाटे और न ही अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से



लेखा परीक्षा के प्रमुख निदेशक (मुख्य)

स्थान: लखनऊ

दिनांक: 22.10.21

अनुबंध

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान का आंतरिक लेखा परीक्षा वर्ष 2020-21 के लिए आयोजित किया गया है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को 18.02 लाख रुपये के व्यय की विशेषता थी जो भवनों की मरम्मत और अनुरक्षण हेतु अभी संस्थान को सौंपे जाने हैं।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

4. वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

वैधानिक देय राशि के भुगतान में संस्थान नियमित है।



निदेशक (सी.ई.)

घटनाओं और समारोह की तस्वीरें

2020-21



**अधिकारी भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
रायबरेली, उत्तर प्रदेश**

डलमऊ रोड, मुंशीगंज, रायबरेली, यू.पी. भारत – 229405

सरस्वती पूजा



सरस्वती पूजा



पिन अप समारोह



पिन अप समारोह



वृक्षारोपण कार्यक्रम



एफिनिटी 1.0



एफिनिटी 1.0



एफिनिटी 1.0



एफिनिटी 1.0



एफिनिटी 1.0



एफिनिटी 1.0



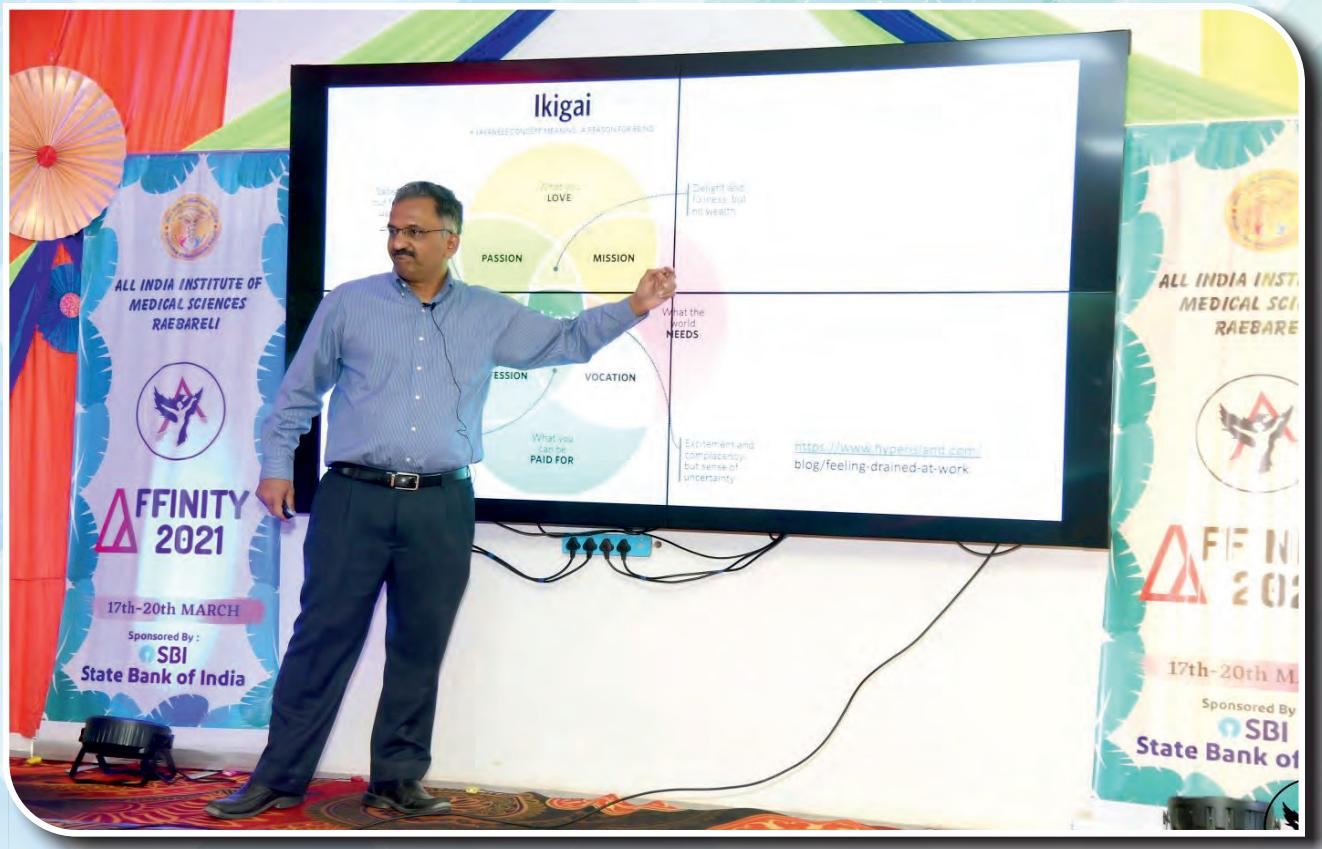
एफिनिटी 1.0



एफिनिटी 1.0



एफिनिटी 1.0



15 दिवस समारोह



होली उत्सव





रसोइयों/मेस कर्मियों के लिए
भ्रोजन स्वच्छता पर जागरूकता सत्र



गम्बुसिया मछली को छोड़ कर
पर्यावरण नियन्त्रण उपाय



विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर
जागरूकता रैली



निर्माण श्रमिकों के लिए
एमबीबीएस छात्रों द्वारा स्वास्थ्य वार्ता



अमेठी जिले में परियोजना कार्यान्वयन
के लिए क्षेत्र का दौरा



अमेठी जिले में परियोजना कार्यान्वयन
के लिए क्षेत्र का दौरा



अधिविन्यास कार्यक्रम के एक भाग के रूप में 2020
एमबीबीएस बैच द्वारा सीएचसी सलोन का दौरा



अग्नि सुरक्षा सप्ताह